RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 227 , बुधवार, 30 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

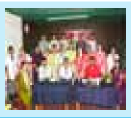
विश्व हृदय दिवस पर एसएसबी की 71वीं वाहिनी में लगा निःशुल्क हृदय जाँच शिविर 03

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे डीएम-एसपी, खुद परोसा खाना, पंगत में बैठकर किया भोजन 04

गोविंदा-सुनीता विवाद में कोमल रानी का पलटवार, बोलीं- टूटे घर को... 07

'शुभ मंगल' भारत की महिलाओं ने किया कमाल

एक दिन में दिलाया दूसरा गोल्ड, चीन को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत को दिन का दूसरा और कुल छठा गोल्ड मेडल मिल गया है। महिलाओं की 4×400 मीटर रेस में भारत ने चीन को मात देते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया। विथ्या रामराज, किरण, प्राची और पूवम्मा की भारतीय चौकड़ी ने इस रेस में भारत के लिए हिस्सा लिया।

इसके साथ ही भारत के मेडल की कुल संख्या भी 50 हो गई है। इससे पहले भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स में विमेंस ट्रैप शूटिंग का गोल्ड मेडल जीत लिया है। नीरू एशियाड में इस इवेंट का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं।

10 दिन पहले अस्पताल में थी नीरू, जीत लिया गोल्ड

नीरू 10 दिन पहले तक दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें फ्लू हुआ था और चार दिन तक वह गन उठाने की स्थिति में भी नहीं थी। उन्होंने तेज रिकवरी की और आज भारत के लिए गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। नीरू की इस कामयाबी की बदौलत भारत के नाम अब तक 6 गोल्ड सहित 50 मेडल हो गए हैं। हालांकि, भारत अब भी मेडल टेबल के टॉप-10 में नहीं आ पाया है। टीम 11वें स्थान पर है। नीरू 10 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट थीं। उन्हें तेज फ्लू था। वे 5 दिनों तक कुछ खा-पी नहीं पाई थीं। तब उनके कोच मनशेर सिंह ने उन्हें बीमारी भुलाकर अपना सब कुछ झोंक देने के लिए प्रेरित किया था।

हम तुम्हारा बचपन लौटा नहीं सकते, लेकिन साहस याद रखेंगे

- दिल्ली की जज ने रेप पीड़ित बच्ची को लिखा 'स्पेशल' लेटर
- रजनी रंगा ने लिखा-दोषी अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा

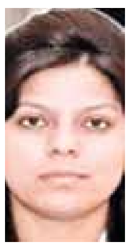

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ट्रायल कोर्ट जज रजनी रंगा ने 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के लिए फैसला सुनाने के बाद एक खास लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा- हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन तुम्हारी हिम्मत याद रखेंगे। जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, वह अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने अब इस लेटर को बच्ची या उसके परिवार तक पहुंचाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने इसे 'करेज नोट' यानी साहस का संदेश बताया। विधिक प्राधिकरण को इसे प्रिंट कर दो हफ्ते में बच्ची तक पहुंचाने को कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाक पहुंचा भारतीय दल

- पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ साल बाद भारत ने एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए अपना एक सीनियर अधिकारी पाकिस्तान भेजा है। विदेश मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी और भारत के एससीओ को-ऑर्डिनेटर आलोक डिमरी सोमवार से इस्लामाबाद में शुरू हुई बैठक में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक बुधवार तक चलेगी। बैठक में पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाले एससीओ के कार्यक्रमों, आने

वाली बैठकों की तैयारियों और संगठन से जुड़े दूसरे मुद्दों पर चर्चा होगी। पाकिस्तान में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिए जाने की भी संभावना है। **पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेगा भारत-** भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में एससीओ की बैठक में शामिल होने का मकसद सिर्फ संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत एससीओ के मंच पर पाकिस्तान के साथ सहयोग जारी रखेगा, लेकिन दोनों देशों के बीच अलग से द्विपक्षीय बातचीत नहीं होगी। भारत का रुख रहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए आतंकवाद से मुक्त माहौल जरूरी है।

आतंकवाद पर सहानुभूति नहीं, तो रिश्ते प्रभावित होंगे

- अमेरिका-पाकिस्तान की गलबहियां पर पहली बार खुल कर बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका दौरे के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे तनाव पर खुलकर बात की। एशिया सोसायटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने साफ कहा कि व्यापार मतभेद और पाकिस्तान-पोषित आतंकवाद, ये दोनों मुद्दे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अगर साझेदार देश भारत की प्रमुख संवेदनाओं का ख्याल नहीं रखते, तो उसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। आतंकवाद पर भारतीय विदेश मंत्री ने खास तौर पर जोर दिया और इसे भारत के लिए प्राथमिक संवेदनशील मुद्दा करार दिया। जयशंकर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला

असम राइफल्स का जवान हो गया शहीद, 4 घायल

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है। शुरुआती जांच और खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि घात लगाकर किए गए हमले के लिए एनएससीएन-यू-जी (नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का युंग आंग गुट) के उग्रवादी जिम्मेदार हैं। हमले के बाद, भारतीय सेना और जिला पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और भाग रहे उग्रवादियों को पकड़ने के लिए आस-पास के जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया।

सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज किया

पूर्वोत्तर सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारी ने कहा कि घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। चांगलांग के एसपी किर्ली पाडु ने कहा कि उन्हें घटना के बारे में जानकारी मिली है और उन्होंने चांगलांग पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को विवरण इकट्ठा करने का निर्देश दिया है। चांगलांग जिले में भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्र में और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार सक्रिय विद्रोही समूहों की आवाजाही के कारण संवेदनशील बनी हुई है।

भारद्वाज और विधायक जरनैल पर एफआईआर

- सादे कपड़ों में केजरीवाल का बना रहा था वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तिलक नगर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने सादे कपड़ों में मौजूद दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल को घेरकर मारपीट की। अरविंद केजरीवाल सोमवार को यहां दौरे पर थे और पुलिसकर्मी मोबाइल से केजरीवाल की

रिकॉर्डिंग कर रहा था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह, साहिब सिंह और एएपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं, सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह को मंगलवार को पुलिस ने पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया। ये सभी मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। दरअसल, दो दिन पहले, मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक युवक को थप्पड़ मारा था।

सोशल मीडिया अकाउंट के लिए 18 की उम्र जरूरी

- सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र की सरकार से नियम बनाने को कहा
- दिए निर्देश-सभी प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानून मानने होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 18 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट को लेकर कानून बनाने पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को करना होगा। नाबालिग 18 साल से कम उम्र के होते हैं और खुद कानूनी अनुबंध नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में सोशल मीडिया और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की सुरक्षा की मांग की गई है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि यह शर्त सिर्फ गाइडलाइन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से इंटरमीडियरी नियमों के तहत इसे वैधानिक रूप देने पर विचार करने को कहा। जस्टिस बागची ने कहा, प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनी जरूरतों के हिसाब से अपनी व्यवस्था बनानी होगी। तुषार मेहता ने आईटी की धारा 79 का भी जिक्र किया।

मौजूदा कानून में नाबालिगों की तरफ से किए समझौते शून्य

जेआरसीए की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एचएस फूलका ने कहा कि डेटा प्रोटेक्शन कानून के संबंधित प्रावधान 2027 में लागू होंगे। उन्होंने दलील दी कि नए कानून का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। मौजूदा कानून के तहत नाबालिगों की ओर से किए गए समझौते शून्य होते हैं। सॉलिसिटर जनरल ने सुझाव दिया कि माता-पिता की सहमति के आधार पर रेगुलेटरी व्यवस्था बनाई जा सकती है। इसमें अनुबंध माता-पिता और प्लेटफॉर्म के बीच किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने यह भी कहा कि भारत में काम करने वाले कई डिजिटल इंटरमीडियरीज विदेशों में रेगुलेटेड या रजिस्टर्ड हैं। इनमें अमेरिका की कंपनियां भी शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि भारत में काम करने के दौरान इन प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। केंद्र आईटी की धारा 79 के तहत इंटरमीडियरीज को नाबालिगों से जुड़े कानूनों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दे सकता है।

देश के पिछले कई चुनावों में हुई है भारी फिक्सिंग

- राहुल बोले-मुख्य चुनाव आयुक्त समझौता कर चुके हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मंगलवार को ढाई घंटे बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त पूरी तरह समझौता कर चुके हैं और देश की चुनाव व्यवस्था 'फिक्स' है। हाल के सभी चुनाव अवैध हैं। राहुल ने कहा, चाहे एसआईआर हो या मतदाता सूची, दोनों से छेड़छाड़ की गई है। दोनों का इस्तेमाल भाजपा चुनाव जीतने की रणनीति के तौर पर कर रहे है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तत्काल इस्तीफा दें। एसआईआर तत्काल रोकी जाए। हटाए गए 13 करोड़ 30 लाख नाम बहाल किए जाएं, प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में 68 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने कहा कि उनकी पार्टी वोटर लिस्ट और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के मुद्दों को संसद में उठाएगी और प्रदर्शन करेगी। **पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची-** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मोदी सरकार की कठपुतली बन गए हैं। उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से उस मजबूत लोकतांत्रिक नींव को खोखला कर दिया है जिसे हमारे पूर्वजों ने बनाया था। युवाओं को वोट देने से रोकने की हो रही है साजिश।

रामद्रोहियों को अयोध्या का वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा: सीएम योगी

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में सीएम योगी मंगलवार को महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए। गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने कहा- आज अयोध्या में रामलला का भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। 500 वर्ष के बाद अयोध्या एक बार फिर से हर सनातन धर्मावलंबी को गौरव की अनुभूति कराती है।

उन्होंने कहा- आज जब अयोध्या स्थित भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन गया है तो रामद्रोहियों को अयोध्या का वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा है। राम द्रोही भ्रम पैदा करेंगे। उन्होंने कहा- जब बजरंग बलि भी संजीवनी बूटी लेने गए थे तो भ्रम पैदा करने के लिए उनके रास्ते कोई कालनेमि आया था। हनुमान जी पहचान गए थे। आप भी रामभक्तों को भी वह शक्ति अपने अंदर अर्जित करनी चाहिए।

यूपी चुनाव से पहले संघ-भाजपा करेंगे चिंतन बैठक, बड़ी तैयारी

कमजोर बूथ और विधायकों की रिपोर्ट की जाएगी तैयार

सीएम योगी, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले होंगे शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और रणनीतिक को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा 3 और 4 अक्टूबर को मथुरा में चिंतन बैठक करेगी। इस बैठक में आरएसएस, भाजपा और यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, सीएम योगी आदित्यनाथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, यूपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह शामिल होंगे। दो दिवसीय इस चिंतन बैठक में चुनावी रणनीति, संगठन-सरकार के तालमेल, संघ के शताब्दी वर्ष के समापन कार्यक्रमों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक फीडबैक पर गंभीर मंथन होगा।

- **टिकट कटने पर भी होगा फैसला-** चिंतन बैठक का सबसे प्रमुख एजेंडा संगठन में एकजुटता कायम करना है। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, बैठक में यह पूरी तरह स्पष्ट किया जाएगा कि आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे और नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और संगठन व सरकार के सभी अंगों को एक स्वर में आगे बढ़ना होगा। इसके अतिरिक्त, जिन विधानसभा सीटों और बूथों पर भाजपा कमजोर स्थिति में है, उनके लिए विशेष कार्ययोजना बनेगी।

बांग्लादेश के आतंकी संगठन से पश्चिम बंगाल को खतरा!

- आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल बनाने की है तैयारी
- एनआईए ने 5 जगहों पर मारी रेड, एक युवक हिरासत में

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल बनाने की कोशिश कर रहे आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश की जांच-पड़ताल में एनआईए ने बंगाल के विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया है। असम में दर्ज एक केस के आधार पर, इन्वेस्टिगेटर ने मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर, बर्दवान और दक्षिण दिनाजपुर समेत कुल 5 इलाकों में एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक दक्षिण दिनाजपुर जिले के बंशीहारी थाने के कुशकारी मुंडेहार गांव में सुबह सुबह सुबह 5.30 बजे सेंट्रल जांच एजेंसी एनआईए की चार मेंबर टीम ने किसान मिजानुर रहमान के घर पर रेड की।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका व आशा कार्यकर्ता सम्मानित

बीएनएम@ पताही। जिहुली पंचायत में पंचायत समिति सदस्य पदमाक्ष रंजन शास्त्री के नेतृत्व में सेवा संकल्प एवं शासन अभियान के तहत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पंचायत के वार्ड संख्या 6, 9, 10, 15 एवं 17 की आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका एवं आशा कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट सेवा, समर्पण और सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पदमाक्ष रंजन शास्त्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण, महिला सशक्तीकरण एवं बच्चों के विकास में इन महिला कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह से कर्मियों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में पंचायत के कई लोग, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

सोनपुर रेल मंडल में राजभाषा पखवाड़ा का समापन कॉम्पटीशन के विजेताओं को अवार्ड मिले

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में राजभाषा पखवाड़ा का समापन हुआ। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक भी हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन ने की। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक सुमन कुमार तांती समेत सभी शाखाधिकारी मौजूद थे। इस दौरान मंडल की राजभाषा पत्रिका 'कलरव' के नए अंक का विमोचन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने कार्यालय के कामों में हिंदी के ज्यादा इस्तेमाल पर जोर दिया। पखवाड़े के तहत हुई हिंदी टिप्पणी, निबंध और वाक् प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सन्नोज कुमार सिंह, शबनम कुमारी और संजीव कुमार झा समेत कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में पहला स्थान हासिल किया। वाणिज्य विभाग को हिंदी में सबसे ज्यादा काम करने के लिए अंतरविभागीय राजभाषा चल शील्ड मिली। इसके अलावा राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए पृथ्वी राज, जनसंपर्क अधिकारी, गोविंद हंसदा, सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर, कुमार राकेश रंजन, स्टेशन प्रबंधक, हाजीपुर और संजीव कुमार, मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक, कार्मिक विभाग, सोनपुर मंडल को प्रशस्ति एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

बिदुपुर बाजार में अतिक्रमण कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी, मायाराम हाट तक चलेगा अभियान

हाजीपुर। सड़क चौड़ीकरण को लेकर बिदुपुर बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। हालांकि, समाजसेवी संजीव कुमार सिंह के विरोध के बाद प्रशासन ने जेसीबी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अगले पांच दिनों के लिए रोक दी। सुबह से ही जेसीबी और पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारी बाजार में मौजूद रहे। सीओ करिश्मा कुमारी, थानाध्यक्ष रवि प्रकाश और एसआई आरएन शर्मा ने दुकानदारों को चिन्हित जगह खाली करने की चेतावनी दी। प्रशासन ने संजीव कुमार सिंह से अगले पांच दिनों में अतिक्रमण हटाने में सहयोग करने को कहा है। सीओ करिश्मा कुमारी ने बताया कि बिदुपुर बाजार से मायाराम हाट तक अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में सोशल मीडिया पर प्रदर्शन की चेतावनी दी गई थी। इसे देखते हुए प्रशासन ने बाजार में पुलिस बल और दंडाधिकारी की तैनाती की थी। थानाध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि पुलिस की प्राथमिकता शांति व्यवस्था बनाए रखना है।

बाढ़ प्रभावित 100 लोगों की जांच कर बांटी दवाइयां, वैशाली में डॉक्टर्स फॉर यू ने लगाया मेडिकल कैंप

हाजीपुर। वैशाली में बिदुपुर के मधुरापुर गांव स्थित सामुदायिक भवन में डॉक्टर्स फॉर यू संस्था ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावितों के लिए एक मेडिकल कैंप लगाया। इसमें करीब 100 लोगों की सेहत जांची गई और उन्हें जरूरी दवाइयां दी गईं। कैंप में मरीजों का ब्लड प्रेशर, वजन, ऑक्सीजन लेवल और पल्स चेक किया गया। ज्यादातर मरीजों को सर्दी, खांसी, बुखार, पेट दर्द और फंगल इन्फेक्शन की शिकायत थी। डॉ. मोहम्मद शाकिब ने जांच कर इलाज किया और दवाइयां दीं। डॉक्टर्स फॉर यू की टीम ने बताया कि गंगा किनारे के बाढ़ प्रभावित इलाकों में ऐसे मेडिकल कैंप लगाए जा रहे हैं। पिछले चार दिनों से अलग-अलग पंचायतों में लोगों की जांच और इलाज हो रहा है। बिदुपुर प्रखंड की सभी पंचायतों में बाढ़ पीड़ितों को मेडिकल सुविधा देने की योजना है। कैंप के आयोजन में भाजपा जिला प्रवक्ता टिंकज कुमार सिंह और सुभाष कुमार सिंह ने सहयोग किया। टिंकज कुमार सिंह ने डॉक्टर्स फॉर यू के सौरभ कुमार, डॉ. मोहम्मद शाकिब, त्रिलोकी कुमार, पुतुल कुमारी और सुभाष कुमार सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों को मेडिकल सुविधा देने के लिए सभी का आभार जताया।

त्योहारों पर यात्रियों के लिए चलेगी 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेन, दुर्गा पूजा और दीपावली-छठ पर लोगों को मिलेगी राहत

हाजीपुर। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के चलने की अवधि बढ़ा दी है। इन ट्रेनों का संचालन पहले से तय मार्ग, ठहराव और समय-सारणी के अनुसार ही होगा। इनमें पटना-इसलामपुर स्पेशल (03297/03298) के 26 फेरे, राघोपुर-देवघर स्पेशल (05573/05574) के 61 फेरे, पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल (03216/03215) के 32 फेरे और रक्सौल-नरकटियागंज स्पेशल (05543/05544) के 18 फेरे बढ़ाए गए हैं। इन ट्रेनों का परिचालन अब अक्टूबर और नवंबर महीने में अलग-अलग तारीखों तक जारी रहेगा। रेल प्रशासन ने यह फैसला यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए लिया है।

पंडारक के पूर्वी पंडारक स्कूल में चोरी, चोरों ने स्मार्ट बोर्ड-टीवी समेत 6 उपकरण चुराया

पटना। पंडारक प्रखंड के गोपकीता गांव में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय पूर्वी पंडारक में चोरी हो गई। चोरों ने स्कूल से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चुरा लिए। इस घटना से स्कूल प्रबंधन और स्थानीय लोग चिंतित हैं। प्रधानाध्यापिका रीतम झा ने बताया कि सुबह स्कूल का गेट खोलने पर बच्चे बाहर खड़े थे। बच्चों ने बताया कि एक कमरे का ताला टूटा हुआ है। जांच करने पर चोरी का पता चला। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, कक्षा 9 से एक स्मार्ट बोर्ड और एक स्मार्ट टीवी चोरी हुआ है। छत पर स्थित कक्षा 8 से एक स्मार्ट टीवी, दो यूपीएस और एक स्टैंड पंखा भी चोर ले गए। इन उपकरणों के गायब होने से पढ़ाई पर असर पड़ सकता है। घटना की जानकारी तुरंत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) को दी गई। BEO ने स्कूल पहुंचकर मामले की जांच की। उन्होंने प्रधानाध्यापिका को पंडारक थाने में लिखित शिकायत देने का निर्देश दिया। ग्रामीणों और अभिभावकों में इस चोरी को लेकर गुस्सा है। उनका कहना है कि स्कूल जैसे संस्थान में चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

दुर्गा पूजा की तैयारी तेज, मिट्टी की मूर्ति बना रहे मूर्तिकार

पटना। पटना जिले के बिक्रम प्रखंड के मंझौली गांव में दुर्गा पूजा के लिए मिट्टी की प्रतिमाएं बनाने का काम तेज हो गया है। मूर्तिकार मां दुर्गा, भगवान गणेश, मां सरस्वती और राक्षसों की आकर्षक प्रतिमाएं बना रहे हैं। वे दिन-रात मेहनत कर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मूर्तिकार संतोष पंडित ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान प्रतिमाओं की मांग बढ़ जाती है। एक सीजन में वे करीब चार से पांच सेट प्रतिमाएं तैयार करते हैं। इन प्रतिमाओं की मांग बिक्रम और पालीगंज के अलावा अरवल जिले के बैदराबाद तक है। एक सेट प्रतिमा की कीमत करीब 40 से 45 हजार रुपये तक होती है। यह कीमत प्रतिमाओं के आकार, सजावट और डिजाइन पर निर्भर करती है। मूर्तिकार प्रतिमाओं के निर्माण में मिट्टी, रंग और सजावट का खास ध्यान रखते हैं, ताकि वे आकर्षक दिखें। संतोष पंडित ने बताया कि इस साल भी सभी प्रतिमाएं समय पर तैयार कर पूजा समितियों को सौंपने की तैयारी है। उनका लक्ष्य है कि 12 अक्टूबर तक सभी प्रतिमाएं ग्राहकों को मिल जाएं। हर साल प्रतिमाओं में कुछ नयापन लाने की कोशिश की जाती है।

कस्तूरबा विद्यालय में अनियमितता और अवैध वसूली का आरोप, वार्डन की कार्यशैली पर उठे सवाल

सुरक्षा मानकों की अनदेखी, सीसीटीवी बंद रहने और नौकरी के नाम पर 60-60 हजार रुपये वसूलने की शिकायत; ग्रामीणों ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

बीएनएम@ विक्की विजेंद्र

घोड़ासहन। प्रखंड क्षेत्र स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कथित अनियमितताओं और छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने विद्यालय की वार्डन रंजना कुमारी की कार्यशैली और छात्रावास प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए मनमानी, वित्तीय अनियमितता, सुरक्षा मानकों की अनदेखी तथा अवैध वसूली की शिकायत की है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थित सार्वजनिक चापाकल का हैंडल कथित तौर पर वार्डन द्वारा खोलकर रख लिया जाता है। इससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने इसे सार्वजनिक सुविधा में बाधा बताते हुए संबंधित अधिकारियों से इस मामले में भी

जांच की मांग की है। विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी ग्रामीणों ने गंभीर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि छात्राओं को निर्धारित मेन्यू के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वहीं, नियमों के विपरीत रात के समय वार्डन के पति के छात्रावास परिसर में ठहरने का भी आरोप लगाया गया है। इसके अतिरिक्त, शाम के समय छात्राओं को छात्रावास से बाहर ले जाने और परिसर में बाहरी लोगों की आवाजाही की शिकायत भी सामने आई है। ग्रामीणों का दावा है कि विद्यालय परिसर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं। ऐसे में छात्राओं की सुरक्षा और परिसर की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सुरक्षा मानकों के अनुपालन और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की जांच कराने की मांग की है। विद्यालय की प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने स्थानीय छात्राओं के नामांकन में कथित तौर पर आनाकानी किए जाने का आरोप लगाया है। साथ ही, विद्यालय से जुड़े कार्यों में वार्डन के सगे-संबंधियों को कथित रूप से नियमों के विरुद्ध प्राथमिकता दिए जाने की शिकायत भी की गई है। उक्त मामले में सबसे गंभीर आरोप मोहल्ले के करीब आधा दर्जन युवाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर कथित तौर पर 60-60 हजार रुपये वसूलने का है। ग्रामीणों का आरोप है कि युवाओं से इस राशि की अवैध वसूली की गई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। मामले में वार्डन रंजना कुमारी का पक्ष जानने के लिए बॉर्डर न्यूज़ मिरर की टीम ने उनसे संपर्क किया। हालांकि, उस समय उनकी तबीयत खराब थी और उन्हें स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। अस्वस्थता एवं बोलने में असमर्थता के कारण उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। सरकारी आवासीय विद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा, शिक्षा और बेहतर आवासीय सुविधाओं से जुड़े इन आरोपों के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से अविलंब हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय की व्यवस्था, वित्तीय लेन-देन, छात्राओं की सुरक्षा, नामांकन प्रक्रिया और नियुक्ति संबंधी शिकायतों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

उत्साहपूर्वक मनाया गया 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम

बीएनएम@ रामगढ़वा

बिहार सरकार के निर्देशानुसार राज्यभर में चलाए जा रहे 'आंगन का मिलन' अभियान के तहत प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान बच्चों, माताओं और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 'विकसित भारत-समृद्ध बिहार' की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में खेलकूद, चित्रकला प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों का मनोरंजन किया गया। वहीं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म भी निभाई गई। साथ ही बच्चों और महिलाओं के बीच खीर, फल एवं मिठाइयां वितरित की गईं। केंद्र संख्या 200 की सेविका पिंकी कुमारी, केंद्र संख्या 67 की सोनी कुमारी, केंद्र संख्या 62 की सरिता देवी और केंद्र संख्या 90 की मुन्नी कुमारी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेविकाओं और सहायिकाओं की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान जन-जागरूकता, पोषण और सामुदायिक सहभागिता का उत्सव बन गया।

वायरल भोजपुरी गाने पर नाई महासंघ ने जताई आपत्ति, गायक के खिलाफ प्राथमिकी की मांग

बीएनएम@ तुरकौलिया

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक भोजपुरी गाने को लेकर नाई महासंघ ने कड़ी आपत्ति जताई है। महासंघ का आरोप है कि गाने में नाई समाज और महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे सामाजिक भावनाएं आहत हो रही हैं। इस मामले को लेकर गढ़देवी माई स्थान परिसर में महासंघ की बैठक आयोजित की गई, जिसमें गाने की निष्पक्ष जांच कर संबंधित गायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग प्रशासन से की गई। बैठक में महासंघ के सदस्यों ने कहा कि फेसबुक, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उक्त भोजपुरी गाना तेजी से प्रसारित हो रहा है। गाने में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई आपत्तिजनक भाषा से न केवल नाई समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं, बल्कि महिलाओं के सम्मान को भी ठेस पहुंच रही है। महासंघ ने गायक गणेश लाजवाब यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। महासंघ के

प्रखंड अध्यक्ष मंटू ठाकुर ने कहा कि मनोरंजन के नाम पर किसी समाज, वर्ग या समुदाय के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। इस तरह के गीत सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से गाने की सामग्री की गंभीरता से जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक में सदस्यों ने आशंका जताई कि यदि इस गाने को आसपास के गांवों में सार्वजनिक रूप से बजाया गया तो इससे सामाजिक तनाव और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आम लोगों से भी सामाजिक मर्यादा और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए ऐसे गानों को प्रसारित करने से परहेज करने की अपील की। उक्त बैठक में मंटू ठाकुर, सचिन्द्र ठाकुर, सिराजुद्दीन, प्रदीप ठाकुर, राजाराम ठाकुर, सलाउद्दीन आलम, आमोद ठाकुर, उपेंद्र ठाकुर, नगनारायण ठाकुर, जमशेद आलम, जफरे आलम, योगी ठाकुर, चितरंजन ठाकुर, मिंटू ठाकुर, अरुण ठाकुर और कृष्णा ठाकुर सहित महासंघ के कई सदस्य उपस्थित थे।

तेजस्वी बोले-ज्ञानेश कुमार गिरफ्तार की गिरफ्तारी हो, कहा- चुनाव में लगातार वोटों की चोरी कर भाजपा जीती

एजेंसी, पटना

दिल्ली में कल इंडिया गठबंधन की बैठक है। इसी सिलसिले में मंगलवार शाम तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उन्होंने पटना एयरपोर्ट पर कई मुद्दों को लेकर बिहार सरकार का घेरा। तेजस्वी ने कहा, जिस तरह चुनाव आयोग की भूमिका पूरे देश की जनता के सामने उजागर हुई है, उससे यह गंभीर सवाल खड़ा होता है कि चुनाव में लगातार वोटों की चोरी कराकर भाजपा को जिताने का काम किया जा रहा था। इसकी शुरुआत खास तौर पर बिहार से की गई और फिर इसे पूरे देश में लागू किया गया। चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों ने इसका पर्दाफाश किया है। यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक स्थिति है।

तेजस्वी बोले- एक ज्ञानेश जाएंगे तो भाजपा में कई आएंगे भीः आगे कहा, कल इंडिया गठबंधन की 11 बजे बैठक है। उस बैठक में शामिल होने के लिए हम दिल्ली जा रहे हैं। अगर कोई भी व्यक्ति आएगा और वोट की चोरी करेगा, लोकतंत्र को खत्म कर देगा और संवैधानिक संस्थाओं को समाप्त किया जाएगा, तो

देश कैसे चलेगा? ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी होनी चाहिए। एक ज्ञानेश कुमार जाएंगे तो भाजपा ऐसे कई ज्ञानेश कुमार लाने का काम करेगी। भाजपा चुनाव जीतने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद कर रही है और उनका दुरुपयोग कर रही है। जरूरी है कि देश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए काम करे।

बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल कियाः नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा, बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई

♦ आज इंडिया गठबंधन की बैठक होगी

है। मुख्यमंत्री कानून से ऊपर हो गए हैं। आम जनता पर पॉक्सो लगता है, लेकिन मुख्यमंत्री पर पॉक्सो के तहत एफआईआर तक दर्ज नहीं होती। पूरी दुनिया ने देखा है कि बिहार में लगातार महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। बिहार में अपराधियों का बोलबाला है और यहां राक्षसराज तथा गुंडाराज कायम हो गया है। अत्याचारी लोग शासन कर रहे हैं। तेजस्वी ने कहा, घर हो, बाहर हो, अस्पताल हो या कॉलेज बिहार में महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। सम्राट चौधरी एक चयनित मुख्यमंत्री हैं। न उनके नाम पर वोट मिला है और न उनके काम के नाम पर वोट मिला है। उनके ऊपर हत्या के मामले से जुड़े आरोप भी हैं। बिहार उनसे संभल नहीं रहा है। अधिकारियों के घरों पर छापे पड़ रहे हैं और करोड़ों-करोड़ों रुपये बरामद हो रहे हैं। वहीं, राज्य का खजाना खाली है।

कृष्णाघाट पर गंगा स्नान के दौरान ट्रेडर की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित कृष्णाघाट पर मंगलवार को गंगा स्नान करने के दौरान एक शख्स की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सिपारा मटखान निवासी सुबोध कुमार (45) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के नाबालिग बेटे ने बताया कि सुबोध कुमार पिछले तीन दिनों से लगातार गंगा स्नान के लिए कृष्णाघाट आ रहे थे।

मंगलवार को भी वह सुबह करीब 4 बजे घर से गंगा स्नान करने के लिए निकले थे। काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान कृष्णाघाट पर उनके डूबने की

जानकारी मिली।

परिजनों के अनुसार, सुबोध कुमार शेयर मार्केट में ट्रेडिंग का काम करते थे। बेटे ने बताया कि पिछले करीब छह महीने से वह पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान दे रहे थे। इसी क्रम में वह नियमित रूप से गंगा स्नान करने के लिए घाट पहुंच रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पीरबहोर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) भेज दिया है।

हर्ष फायरिंग में सर्राफा कारोबारी और स्टाफ गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में गणेश उत्सव के दौरान हर्ष फायरिंग हुई थी। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक अनुज कुमार उर्फ मोंटी और दूसरा विशाल कुमार उर्फ ब्लैकी है। मोंटी सर्राफा कारोबारी है।

उसी की दुकान में विशाल स्टाफ है। फायरिंग करने वाला विशाल ही है। इनलोगों ने अपना वर्चस्व कायम करने के लिए हर्ष फायरिंग की थी। मामला गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के चितकोहरा बाजार की है।

गुंजन सिंह का कार्यक्रम चल रहा थाः पुलिस के अनुसार, गणेश उत्सव के मौके पर आयोजित मेले में मगही गायक गुंजन सिंह का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान विशाल कुमार उर्फ ब्लैकी ने फायरिंग की और मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद गर्दनीबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। चार खोखे बरामद किए

थे। स्थानीय लोगों से पूछताछ और मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने विशाल उर्फ ब्लैकी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अनुज कुमार उर्फ मोंटी को भी गिरफ्तार किया। अनुज कुमार का अनीसाबाद में बंटी ज्वेलर्स नाम से आभूषण की दुकान है।

हथियार-कारतूस जब्तः पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लाइसेंसी पिस्टल और कारतूस बरामद किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मोतिहारी में दो बांध टूटे, 70 से ज्यादा घर डूबे बगहा में गंडक हाइएस्ट फ्लड लेवल के पार

एजेंसी, पटना

नेपाल में भारी बारिश के बाद वाल्मीकिनगर और वीरपुर बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया। इससे उत्तर बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। राज्य के 17 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार शाम मोतिहारी के सिकटिया दह पर पूरा बांध टूटा, जिससे निचले इलाके में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। इससे पहले मोतिहारी में रिंग बांध टूट गया, जिससे निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। 70 से ज्यादा घरों में पानी भर गया है।

बगहा के पास गंडक नदी का जलस्तर अब तक के हाइएस्ट फ्लड लेवल 90.90m को पार कर गया है। यह करीब 35Cm ऊपर पहुंच गया है। इसके दबाव से

पश्चिमी चंपारण के खैरटवा गांव में तटबंध 10m लंबाई में अचानक टूट गया। पानी खेतों में फैल रहा है। बेतिया में भी चंपारण तटबंध देर रात करीब 2 बजे टूट गया हैं, जिसके चलते निचले इलाके में बाढ़ की पानी से खतरा बढ़ने लगा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मोतिहारी में बाढ़ का एरियल सर्वे किया। डुमरिया घाट संग्रामपुर अरेराज समेत बाढ़ प्रभावित एरिया का हेलीकॉप्टर से निरीक्षण किया। आज किसी जिले में बारिश का अलर्ट नहीं है।

बगहा में तटबंध टूटा, 50 हजार से अधिक की आबादी हो सकती प्रभावितः बगहा-1 प्रखंड में गंडक नदी के दबाव के कारण सोमवार शाम करीब 8:30 बजे खैरटवा के पास चम्पारण तटबंध टूट गया। पानी तेजी से गांवों और निचले इलाकों की ओर फैलने लगा है। नेशनल हाईवे-727 पर भी पानी पहुंचा चुका है। जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि इससे 50 हजार घर पानी में समा सकते हैं। चखनी रजवटिया से रतवल जाने वाला करीब 14 किलोमीटर लंबा मार्ग इसी तटबंध पर बना है। तटबंध टूटने से खैरटवा, पिपरिया, सिंगारी गढ़वा, रजवटिया, चखनी, बड़गांव, छोटकीपट्टी, एकडेरवा और डुमरिया समेत कई गांव प्रभावित होने की आशंका है। स्थानीय स्तर पर अनुमान है कि इन इलाकों की 50 हजार से अधिक की आबादी बाढ़ की चपेट में आ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हृदय दिवस पर एसएसबी की 71वीं वाहिनी में लगा निःशुल्क हृदय जाँच शिविर

संदीक्षा परिवारों व जवानों के स्वास्थ्य की हुई जाँच, चिकित्सकों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दी सलाह

बीएनएम@ मोतिहारी। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर मंगलवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 71वीं वाहिनी, मोतिहारी की ओर से वाहिनी परिसर में निःशुल्क हृदय जाँच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संदीक्षा परिवारों और बलकर्मियों के स्वास्थ्य की जाँच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर में सदर अस्पताल, मोतिहारी के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुभाषचन्द्र बोस के नेतृत्व में चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जाँच की। इस दौरान 71वीं वाहिनी के सामान्य ड्यूटी चिकित्सा पदाधिकारी (जीडीएमओ) डॉ. सुजीत कुमार ने भी अपनी चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के दौरान संदीक्षा परिवारों और बलकर्मियों की हृदय संबंधी स्वास्थ्य जाँच की गई। साथ ही आवश्यक परीक्षण कर चिकित्सकों ने उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। चिकित्सकों ने हृदय रोगों से बचाव के लिए नियमित स्वास्थ्य जाँच कराने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, नियमित व्यायाम करने और तनाव से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने को हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी बताया। चिकित्सकों ने कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए दैनिक जीवन में अच्छी आदतों को अपनाना और हृदय रोगों के संभावित खतरों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने लोगों को नियमित शारीरिक गतिविधियां करने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। शिविर में संदीक्षा परिवारों और बलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में सदर अस्पताल, मोतिहारी के चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की टीम के साथ 71वीं वाहिनी के अधिकारी और सभी बलकर्मी उपस्थित रहे। शिविर का मुख्य उद्देश्य संदीक्षा परिवारों और बलकर्मियों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

शिक्षक डी.के. रवि को समारोह आयोजित कर दी गई विदाई

बीएनएम@ मोतिहारीः जिला के मेहसी प्रखंड स्थित सर्वोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को शिक्षक धनंजय कुमार रवि (डी.के. रवि) के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने की। इस दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने डी.के. रवि को माला पहनाकर और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने उनके अनुशासित, कर्तव्यनिष्ठ एवं मिलनसार व्यवहार की सराहना करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में उनके योगदान को याद किया। वहीं, डी.के. रवि ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यहां बिताए समय को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मियों से मिले सहयोग और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन इतिहास शिक्षक विनय कुमार गुप्ता ने किया। मौके पर शोभा कुमारी, मीरा कुमारी, नीतू कुमारी, नेहा कुमारी, रेणु कुमारी, अब्दुल समद, अनुप कुमार, कुंदन कुमार, शकील शागिल, हर्ष कुमार, विवेक कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बिना अवलोकन के संभव नहीं है सार्थक पत्रकारिता : रत्नेश्वर कुमार सिंह

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'पत्रकारिता और साहित्य के अंतर्सम्बन्ध' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में 'पत्रकारिता और साहित्य के अंतर्सम्बन्ध' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन मंगलवार को किया गया। इसमें पत्रकारिता और साहित्य के पारस्परिक संबंधों, बदलते मीडिया परिदृश्य, भाषा एवं तकनीक के प्रभाव और पत्रकारिता की सामाजिक भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार रत्नेश्वर कुमार सिंह ने कहा कि बिना अवलोकन के पत्रकारिता संभव नहीं है। एक सार्थक पत्रकारिता के लिए समाज, परिवेश और समकालीन घटनाओं का सूक्ष्म अवलोकन बेहद जरूरी है। मुख्य वक्ता रत्नेश्वर कुमार सिंह ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। वर्ष 2014 के बाद मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने पत्रकारिता की कार्यशैली और स्वरूप को नई दिशा दी है। तकनीक में तेजी से हो रहे बदलावों ने जहां समाचारों के उत्पादन और प्रसार को आसान बनाया है, वहीं पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता पारंपरिक माध्यमों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसकी पहुंच और प्रभाव के दायरे को व्यापक बनाया है। ऐसे में पत्रकारों को बदलते समय और तकनीक के अनुरूप अपनी कार्यशैली में निरंतर बदलाव लाने की आवश्यकता है। पत्रकारिता में भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि समाचारों की भाषा सहज, स्पष्ट और प्रभावी होनी चाहिए, ताकि सूचना आम लोगों तक सही अर्थों में पहुंच सके। एक पत्रकार के लिए न केवल सूचनाओं को समझना, बल्कि उन्हें प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना भी आवश्यक है। साहित्य और पत्रकारिता के अंतर्सम्बन्धों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य समाज की संवेदनाओं, विचारों और मानवीय अनुभवों को अभिव्यक्ति देता है, जबकि पत्रकारिता समकालीन घटनाओं और सामाजिक सरोकारों को जनसामान्य तक पहुंचाने का कार्य करती है। दोनों ही क्षेत्रों में भाषा, संवेदनशीलता और समाज की गहरी समझ की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार भगत ने कहा कि पत्रकारिता और साहित्य दोनों ही समाज से गहराई से जुड़े हुए क्षेत्र हैं। पत्रकारिता जहां समाज में घटित होने वाली घटनाओं और विभिन्न मुद्दों को सामने लाती है, वहीं साहित्य सामाजिक संवेदनाओं, विचारों और अनुभवों को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और साहित्य के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है। बदलते मीडिया परिदृश्य में तकनीक ने पत्रकारिता की कार्यशैली को प्रभावित किया है। ऐसे में पत्रकारिता के विद्यार्थियों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भाषा, साहित्य और सामाजिक परिस्थितियों की समझ बेहद जरूरी है। उन्होंने पत्रकारिता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए कहा कि पत्रकार का दायित्व केवल घटनाओं की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सामने लाना भी है। स्वागत भाषण में विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजनी कुमार झा ने पत्रकारिता और साहित्य के व्यावहारिक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकारिता के लिए सजगता और साहित्य के लिए संवेदनशीलता अनिवार्य है। एक विशुद्ध पत्रकार में साहित्य के सामान्य गुणों का होना आवश्यक है, क्योंकि साहित्यिक दृष्टि पत्रकार को विषयों की गहराई और मानवीय संवेदनाओं को समझने में मदद करती है। वहीं कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता और साहित्य एक-दूसरे के पूरक हैं। पत्रकारिता के माध्यम से साहित्यिक विचारों, रचनाओं और सामाजिक विमर्श को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने पत्रकारिता में साहित्य की भूमिका और दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक सहयोग की आवश्यकता पर भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. उमा यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मीडिया अध्ययन विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. मयंक भारद्वाज सहित विभाग के शोधार्थी एवं सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अजय पटेल हत्याकांड का 10 हजार का इनामी मुख्य आरोपित असलम रक्सौल बॉर्डर से गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

अजय पटेल हत्याकांड में फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपित असलम मियां को हरसिद्धि पुलिस ने रक्सौल बॉर्डर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई में पुलिस ने उसे दबोचा। गिरफ्तार आरोपित असलम मियां (30) छतौनी थाना क्षेत्र के बड़ा बरियारपुर वार्ड संख्या 12 निवासी सोबराती मियां का पुत्र है। वर्तमान में वह हरसिद्धि थाना क्षेत्र के दक्षिण छतवनिया वार्ड संख्या सात में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, असलम हरसिद्धि थाना कांड संख्या 112/26, दिनांक 19 फरवरी 2026 तथा कांड संख्या 245/26, दिनांक नौ मई 2026 में वांछित था। दोनों मामलों में बीएनएस की धारा 103(1)/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज है। इनमें अजय पटेल हत्याकांड भी शामिल है। घटना के बाद से असलम लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम नेपाल सीमा से लेकर छतौनी तक संभावित ठिकानों पर नजर रख रही थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अजय पटेल की हत्या के बाद शव को झोपड़ी में टांग दिया गया था। मामले की जांच में असलम की पत्नी और अजय पटेल के बीच कथित प्रेम प्रसंग की बात सामने आई थी। पुलिस ने इस बिंदु को भी जांच में शामिल किया था। घटना के बाद असलम फरार हो गया था और लगातार ठिकाना बदल रहा था। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार को मिली गुप्त सूचना के बाद पुलिस टीम ने रक्सौल बॉर्डर क्षेत्र में घेराबंदी कर असलम को गिरफ्तार किया। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास को भी खंगाल रही है। छतौनी थाना में उसके खिलाफ वर्ष 2025 का एक मामला दर्ज है, जिसमें बीएनएस की धारा 317(2)/317(4) तथा पशु क्रूरता अधिनियम की धाराएं शामिल हैं। छापेमारी टीम में अरेराज एसडीपीओ आशुतोष रंजन, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, सिपाही फूल कुमार महलदार और रिजर्व गार्ड के सिपाही सौरभ कुमार शामिल थे।

सेप्टिक टैंक में दम घुटने से पिता की मौत, बचाने उतरा बेटा गंभीर

» **पिता को बेसुध देख टैंक में उतरा था बेटा, जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी से दोनों हुए बेहोश**

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के पकही गांव में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। नवनिर्मित शौचालय के सेप्टिक टैंक की शटरिंग खोलने के दौरान दम घुटने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने के लिए टैंक में उतरा उनका बेटा गंभीर रूप से अचेत हो गया। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान पकही गांव निवासी मजदूर पथलू राय के रूप में हुई है। वहीं, उनके 25 वर्षीय पुत्र पवन कुमार की हालत नाजुक बनी हुई है। उनका इलाज स्थानीय निजी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह पथलू राय अपने बेटे पवन कुमार के साथ गांव के ही कादिर दीवान के घर बने नवनिर्मित शौचालय के टैंक की शटरिंग खोलने पहुंचे थे। इसी दौरान पथलू राय टैंक के भीतर उतर गए। टैंक में ऑक्सीजन की कमी और दमघोंटू गैस के कारण उनका दम घुटने लगा और वह अंदर ही अचेत होकर गिर पड़े। काफी देर तक पिता के बाहर नहीं आने और उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पवन कुमार उन्हें देखने के लिए टैंक में उतर गया। अंदर पिता को बेसुध देखकर उसने उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण वह भी अचेत होकर टैंक में गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। इसके बाद ग्रामीणों ने काफी मशक्कत कर पिता-पुत्र दोनों को टैंक से बाहर निकाला और आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने पथलू राय को मृत घोषित कर दिया, जबकि पवन कुमार की गंभीर हालत को देखते हुए उनका इलाज शुरू किया गया। फिलहाल उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर घोड़ासहन थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। पिता की मौत और बेटे के गंभीर रूप से घायल होने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एस.एन.एस टीचर्स एसोसिएशन का हुआ निर्वाचनः डॉ. मनोज कुमार अध्यक्ष व डॉ. निखत नाज बनीं संयुक्त सचिव

» **पांच मतों के अंतर से दोनों पदों पर दर्ज की जीत, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन**

बीएनएम@ निरज आनंद

मोतिहारी। जिले के श्री नारायण सिंह महाविद्यालय में मंगलवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (बूटा), मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार महाविद्यालय शिक्षक संघ इकाई का निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न हुआ। उक्त चुनाव में अध्यक्ष पद पर डॉ. मनोज कुमार तथा संयुक्त सचिव पद पर डॉ. निखत नाज निर्वाचित घोषित की गईं। दोनों ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को पांच-पांच मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचन को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य एवं डॉ. कुमार राकेश रंजन को पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया था। दोनों पर्यवेक्षकों की देखरेख में निर्वाची पदाधिकारी डॉ. रूपेश वर्मा ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया संपन्न कराई। वहीं निर्वाचन के दौरान अध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव के एक-एक पद के लिए दो-दो प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया। इसके बाद उपस्थित सभी मतदाताओं ने दोनों पदों के लिए गोपनीय मतदान किया। मतगणना के उपरांत निर्वाची पदाधिकारी डॉ. रूपेश वर्मा ने अध्यक्ष पद पर डॉ. मनोज कुमार एवं संयुक्त सचिव पद पर डॉ. निखत नाज की जीत की आधिकारिक घोषणा की। अध्यक्ष पद पर डॉ. मनोज कुमार ने डॉ. सुधा कुमारी को, जबकि संयुक्त सचिव पद पर डॉ. निखत नाज ने डॉ. गौरी गुप्ता को पांच मतों के अंतर से पराजित किया। वहीं, उपाध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए एक-एक नामांकन प्राप्त होने के कारण इन तीनों पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ। निर्वाची पदाधिकारी ने राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. रूदल कुमार सिंह को उपाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष कुमार यादव को सचिव तथा डॉ. अमित कुमार सत्नाकर को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य एवं डॉ. कुमार राकेश रंजन ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार, महासचिव डॉ. सुनील कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) विनोद बैठा सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं प्रधान सहायक ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मौके पर डॉ. मिंकेश चौधरी, डॉ. सुरेश नारायण बैठा, डॉ. विक्रम सिंह सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ।

डीएलएसए सचिव ने एनजीओ प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

जमीनी स्तर पर विधिक सहायता व नालसा की योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में मंगलवार को विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में समाज के जरूरतमंद, कमजोर एवं वंचित वर्गों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाने तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में एसडीसी निधि कुमारी एवं सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक (एडीएसएस) अक्षय कुमार भी मौजूद रहे। बैठक में प्रयास, प्रथम, स्वच्छ रक्सौल, माहेर, डंकन अस्पताल, ईएफआईसीओआर सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान संस्थाओं की ओर से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छता तथा कमजोर एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की गई। साथ ही, सामाजिक एवं विधिक सहायता से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, विभिन्न सरकारी विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा सरकारी एवं विधिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना था। इस क्रम में ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता रेखांकित की गई। डीएलएसए सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि विधिक सेवा का दायरा केवल न्यायालय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक न्याय और विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना इसका मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, श्रमिकों, पीड़ितों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसके लिए सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी और आपसी सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने एनजीओ प्रतिनिधियों से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में विधिक जागरूकता अभियान को गति देने तथा निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता और नालसा एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही, ऐसे जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान करने पर बल दिया, जिन्हें विधिक सहायता अथवा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए संबंधित विभागों से जोड़ने की आवश्यकता है। वहीं बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि स्वयंसेवी संस्थाएं अपने कार्यक्षेत्र में संचालित गतिविधियों एवं जरूरतमंद लोगों से जुड़ी समस्याओं की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के साथ साझा करेंगी। आवश्यकता के अनुरूप संबंधित व्यक्तियों को सरकारी विभागों, विधिक सेवा प्राधिकार अथवा अन्य सक्षम एजेंसियों से जोड़ने की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाएंगे। इससे विभिन्न संस्थाओं के संसाधनों एवं अनुभवों का बेहतर उपयोग करते हुए जरूरतमंदों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। श्री त्रिपाठी ने कहा कि सरकारी विभागों, जिला विधिक सेवा प्राधिकार और स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच निरंतर संवाद एवं प्रभावी समन्वय के माध्यम से ही विधिक जागरूकता और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक के दौरान एनजीओ प्रतिनिधियों ने अपने अनुभवों, कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं एवं महत्वपूर्ण सुझावों को साझा किया। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखते हुए विधिक जागरूकता, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सामाजिक कल्याण से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी जताई।

जिला के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन, बच्चों और माताओं में दिखा उत्साह

बीएनएम@ मोतिहारी

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आदेशानुसार पूर्वी चंपारण जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में बच्चों, माताओं, जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित गतिविधियों के माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी सरल और सहज तरीके से दी जा रही है। कार्यक्रम के तहत बच्चों के लिए कहानी, कविता, कॉमिक्स, पेंटिंग सहित विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में सीखने, समझने और रचनात्मकता के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, माताओं को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और उनके समुचित विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के सुचारू संचालन और सरकारी योजनाओं का लाभ समुदाय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं एवं आशा दीदियों को सम्मानित किया जा रहा है। इसके साथ ही लाभार्थी माताओं को भी सम्मान देकर उनकी सहभागिता और उत्साह को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम को लेकर जिलेवासियों में काफी उत्साह है। बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल होकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की 100 से अधिक लोककल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक एवं गुणात्मक बदलाव आया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। 'आंगन का मिलन' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी आमलोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों, माताओं एवं समुदाय के बीच संवाद, जागरूकता और सहभागिता के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करना है। इससे न केवल योजनाओं के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन में भी समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर आगामी 1 अक्टूबर तक 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम के तहत विविध गतिविधियों का आयोजन जारी रहेगा। इसके माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा महिला सशक्तीकरण से जुड़े प्रयासों को सामुदायिक स्तर पर और गति देने की पहल की जा रही है।

गंडक का रौद्र रूप: अरेराज, संग्रामपुर डुमरियाघाट दियारा समेत दर्जनों गांव जलमग्न

सिसवानिया टोला में आधी रात मची अफरातफरी, छतों पर फंसे सैकड़ों लोगों को एनडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

बीएनएम@ मोतिहारी/डुमरियाघाट/संग्रामपुर/अरेराज

नेपाल में हुई भारी वर्षा के बाद गंडक नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि से डुमरियाघाट और आसपास के इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है।मंगलवार को नदी का पानी तेजी से निचले इलाकों में फैल गया। डुमरियाघाट का दियारा क्षेत्र पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आ गया है, जबकि कई गांवों में पानी घरों में प्रवेश कर गया है। नदी की तेज धारा और बढ़ते जलस्तर को लेकर ग्रामीणों में दहशत है। डुमरिया पंचायत के सिसवानिया टोला में सोमवार की देर रात अचानक बाढ़ का पानी तेजी से फैलने लगा। देखते ही देखते पूरा गांव पानी से घिर गया। पानी बढ़ने के साथ ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। बड़ी संख्या में लोगों ने जान बचाने के लिए घरों की छतों पर शरण ली। सूचना मिलने के बाद मंगलवार सुबह एनडीआरएफ की टीम गांव पहुंची। बोट के सहारे टीम ने बाढ़ में घिरे घरों तक पहुंचकर छतों पर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। कई घंटे चले रेस्क्यू अभियान में सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। बाढ़ से निकाले गए लोगों ने विश्रामपुर-दुबौलिया के समीप एनएच-27 पर शरण ली। बड़ी संख्या में लोगों के सड़क पर पहुंचने के कारण हाईवे की पूर्वी लेन पर वाहनों का परिचालन रोक दिया गया। हादसे की आशंका को देखते हुए बाढ़ पीड़ितों को सड़क के एक हिस्से में रखा गया है, जबकि वाहनों का परिचालन पश्चिमी लेन से कराया जा रहा है। प्रशासन की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए एनएच-27 से करीब तीन सौ मीटर की दूरी पर स्थित दुबौली सरकारी विद्यालय में राहत शिविर बनाया गया है। शिविर में पीड़ितों के ठहरने के साथ सामुदायिक रसोई की व्यवस्था की गई है। गंडक का जलस्तर बढ़ने के साथ सरैया बदुराहा और हुसैनी जमुनिया टोला में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। ग्रामीण जरूरी सामान और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का पानी जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। एनएच-27 किनारे स्थित प्रसिद्ध नरसिंह बाबा मंदिर भी बाढ़ की चपेट में आ गया है। मंदिर परिसर में पानी भरने के बाद बाबा की समाधि स्थल यानी गर्भगृह पूरी तरह जलमग्न हो गया है। मंदिर का आश्रय स्थल, चबूतरा, चापाकल और बेंच समेत परिसर के कई हिस्से पानी में डूब गए हैं। जलस्तर बढ़ने से मंदिर परिसर में स्थिति लगातार बिगड़ रही है। गोपालगंज सीमा क्षेत्र स्थित नारायणी रिवर फ्रंट भी बाढ़ के पानी में पूरी तरह डूब गया है। रिवर फ्रंट की सीढ़ियां पानी में समा गई हैं। नदी की तेज धारा के कारण रिवर फ्रंट पर पानी का दबाव बना हुआ है। गंडक के बढ़ते जलस्तर से आसपास के लोगों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि जलस्तर में और वृद्धि होने पर तटबंधों पर भी दबाव बढ़ सकता है। तटबंध किनारे बसे लोग रात में भी निगरानी कर रहे हैं। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी है। संवेदनशील स्थानों पर रोशनी की व्यवस्था कर पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं। ग्रामीणों को आपात स्थिति में तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जा रही है। राहत एवं बचाव दलों को भी संवेदनशील क्षेत्रों में तैयार रखा गया है। गंडक के बढ़ते जलस्तर का असर संग्रामपुर प्रखंड के कई गांवों में भी पड़ा है। इजरा, नवादा समेत कई गांवों में बाढ़ का पानी घरों में प्रवेश कर गया है। ग्रामीणों के सामने रहने, भोजन और पशुओं को सुरक्षित रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। रामपुर खजुरिया से संग्रामपुर जाने वाली एसएच-74 पर करीब दो से तीन फीट पानी बह रहा है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इस मार्ग पर आवागमन बंद करा दिया है। लोगों को वैकल्पिक मार्गों से जाने की सलाह दी गई है। सड़क पर तेज बहाव के कारण हादसे की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से पानी में वाहन लेकर नहीं जाने की अपील की है। गंडक की तेज धारा का दबाव डुमरियाघाट पुल पर भी दिखाई दे रहा है। पुल के पिलरों का करीब दो-तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया है। नदी की तेज धार को देखते हुए पुल की सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ा दी गई है। डुमरियाघाट पुलिस के साथ एनएचएआई के अधिकारी भी पुल और आसपास के क्षेत्र की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। नदी के जलस्तर और पुल पर पानी के दबाव की लगातार निगरानी की जा रही है। बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। एनडीआरएफ की टीम प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू अभियान चला रही है। प्रशासन की ओर से राहत शिविर, सामुदायिक रसोई और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। गंडक के बढ़ते जलस्तर के बीच यदि नेपाल की ओर से और पानी छोड़ा जाता है तो डुमरियाघाट, संग्रामपुर और आसपास के निचले इलाकों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीण नदी के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं। गंडक के उफान ने नदी किनारे बसे गांवों में एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। तटबंधों और संवेदनशील इलाकों में दिन-रात निगरानी की जा रही है। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाना है।

बाढ़ प्रभावितों के लिए 11 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर की तैयारी, सीओ ने चिकित्सा पदाधिकारी को भेजा पत्र

बीएनएम@ मोतिहारी/संग्रामपुर

गंडक नदी के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि की स्थिति को देखते हुए संग्रामपुर अंचल प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए सामुदायिक रसोई केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर संचालित कराने की पहल की है। इस संबंध में अंचलाधिकारी, संग्रामपुर ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र भेजकर चिन्हित रसोई केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर संचालित करने का अनुरोध किया है। अंचलाधिकारी की ओर से भेजे गए पत्र में बताया गया है कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित परिवार तटबंधों एवं सड़कों के किनारे शरण ले रहे हैं। ऐसे में सामुदायिक रसोई केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर का संचालन आवश्यक है, ताकि बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। पत्र में बिनटोली स्थित ब्रह्मम बाबा के पास वार्ड संख्या-14, पूर्वी संग्रामपुर के प्रभु टोला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, वार्ड संख्या-15, वार्ड संख्या-09 स्थित सामुदायिक भवन, ईजरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र, पश्चिमी संग्रामपुर के ईजरा वार्ड संख्या-07 में सुखाड़ी महतो के दरवाजे, ईजरा वार्ड संख्या-06 में माखन चौधरी के दरवाजे, दक्षिणी बरियरिया के नवका टोला वार्ड संख्या-09, दक्षिणी भवानीपुर के मंगलापुर बांध तथा डुमरिया के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मातवाराम समेत अन्य चिन्हित रसोई केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर चलाने का अनुरोध किया गया है। प्रशासन की इस पहल से बाढ़ के बीच रह रहे लोगों को भोजन के साथ-साथ प्राथमिक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग से आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है। गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच अंचल प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी जोर दिया जा रहा है।

गंडक का कहर: 15 घंटे में दो तटबंध ध्वस्त, सैकड़ों घरों में घुसा बाढ़ का पानी; डीएम ने दिए जांच के निर्देश

बीएनएम@ अरेराज/संग्रामपुर

नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर ने पूर्वी चंपारण में बाढ़ की स्थिति गंभीर कर दी है। मंगलवार को करीब 15 घंटे के भीतर दो स्थानों पर तटबंध टूटने से बड़ी आबादी प्रभावित हुई है। सरेया पंचायत के लोकनाथपुर के पास मंगलवार की अहले सुबह करीब साढ़े तीन बजे चंपारण तटबंध का रिंग बांध टूट गया। बांध टूटते ही पानी तेजी से आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल गया। करीब 70 घरों में पानी घुसने की सूचना है। अचानक पानी घरों में घुसने से ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई परिवार पानी के बीच घिर गए। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। टीम बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में जुटी है। इधर, दूसरे स्थान पर भी तटबंध टूटने से स्थिति बिगड़ गई। सिकटा और माजर नदी के उफान के कारण मैदानी इलाकों में तेजी से पानी फैल रहा है। लगातार बढ़ते जलस्तर और तटबंधों पर दबाव के बीच ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाढ़ का पानी अरेराज अनुमंडल क्षेत्र से होकर गुजरने वाली SH-74 तक पहुंच गया है। ईजरा के पास करीब आधा किलोमीटर सड़क पानी में डूब गई है। सड़क पर करीब डेढ़ फीट पानी बहने के कारण आवागमन प्रभावित है। स्थानीय लोगों को पानी पार कर सड़क से गुजरना पड़ रहा है। जिले में राहत एवं बचाव अभियान को तेज कर दिया गया है। प्रशासन की ओर से एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित इलाकों में सक्रिय हैं। संग्रामपुर क्षेत्र में ड्रोन से भी बाढ़ प्रभावित इलाकों की निगरानी की जा रही है, जबकि जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। तटबंध टूटने की घटना को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के निर्देश दिए हैं। अब जांच में तटबंध टूटने के कारणों और इसकी स्थिति से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की जाएगी। वहीं जिला प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

बाढ़ में फंसे लोगों की ड्रोन से तलाश, संग्रामपुर में प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

बीएनएम@ मोतिहारी

संग्रामपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी के बीच फंसे लोगों का पता लगाने और राहत-बचाव कार्य को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में ड्रोन के माध्यम से हवाई निरीक्षण कराया जा रहा है। ड्रोन से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति और वहां फंसे लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि जरूरतमंदों तक समय पर राहत एवं बचाव दल पहुंचाया जा सके। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार सक्रिय हैं। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित लोगों से धैर्य बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार वास्तविक स्थिति की जानकारी प्रशासन की ओर से जारी सूचनाओं के माध्यम से दी जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जा रही है।

बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे डीएम-एसपी, खुद परोसा खाना, पंगत में बैठकर किया भोजन

बीएनएम@ संग्रामपुर

अंचल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से सामुदायिक रसोई का संचालन शुरू कर दिया गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए शुरू की गई सामुदायिक रसोई का जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव,पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता मुकेश कुमार समेत जिले के वरीय अधिकारियों ने भ्रमण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सामुदायिक रसोई में भोजन की व्यवस्था, साफ-सफाई और बाढ़ प्रभावितों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक समेत अन्य वरीय अधिकारियों ने खुद अपने हाथों से बाढ़ प्रभावित लोगों को खाना परोसा। अधिकारियों ने राहत शिविर में बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ पंगत में बैठकर भोजन भी किया। इससे प्रभावित परिवारों के बीच प्रशासन के प्रति भरोसा बढ़ा। अधिकारियों ने लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री और भोजन समय पर पहुंचाने तथा सामुदायिक रसोई के संचालन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने का निर्देश दिया।

एनडीआरएफ व एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन तेज, बाढ़ प्रभावितों का किया जा रहा सुरक्षित निकासी

बीएनएम@ मोतिहारी

गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। डुमरिया पंचायत के सिसवन गांव में एनडीआरएफ की टीम लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। बाढ़ के पानी से प्रभावित लोगों तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। एनडीआरएफ की टीम पूरे क्षेत्र में सक्रिय है और जरूरत के अनुसार प्रभावित परिवारों का रेस्क्यू एवं सुरक्षित निकासी कर रही है। वहीं गोविंदगंज गांव में भी एनडीआरएफ की टीम बचाव अभियान में जुटी हुई है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में टीम की मौजूदगी से लोगों को राहत मिली है। प्रशासन की निगरानी में एनडीआरएफ के जवान पानी से घिरे इलाकों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और जरूरतमंद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राहत एवं बचाव दल को पूरी तरह अलर्ट रखा गया है। प्रभावित लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने और प्रशासन व बचाव दल के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

25 हजार लोग प्रभावित; 17 सामुदायिक रसोई से 4 हजार लोगों को भोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। जिला प्रशासन की 29 सितंबर की बाढ़ प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार केसरिया, संग्रामपुर, अरेराज एवं पहाड़पुर अंचल के कुल 14 पूर्ण एवं एक आंशिक पंचायत बाढ़ से प्रभावित हैं। इन क्षेत्रों में करीब 25 हजार की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए जिले में 17 सामुदायिक रसोई संचालित की जा रही हैं, जहां करीब चार हजार लोगों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी सक्रिय रखा गया है। कुल आठ चलंत चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 385 मरीजों का उपचार किया जा चुका है। प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में आवागमन और राहत कार्यों के लिए 24 नावों का संचालन किया जा रहा है। आपदा की स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात हैं। केसरिया में एसडीआरएफ, अरेराज में एसडीआरएफ तथा संग्रामपुर में एनडीआरएफ की टीम राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है। बाढ़ प्रभावित लोगों को बारिश और पानी से बचाव के लिए 1500 पॉलिथीन शीट भी वितरित की गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत, चिकित्सा, भोजन और बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है।

कुरनिया माता मंदिर विवाद के समाधान की पहल, एक माह में होगा नई प्रबंध समिति का गठन

अंतरिम व्यवस्था के तहत सीओ की अध्यक्षता में बनेगी निगरानी समिति, पूर्व व वर्तमान समिति के प्रतिनिधियों को भी मिलेगी जिम्मेदारी

बीएनएम@ घोड़ासहन

भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के प्रसिद्ध सिद्धपीठ कुरनिया माता मंदिर के प्रबंधन को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के समाधान की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। मंगलवार को स्थानीय थाना परिसर में सिकरहना एसडीओ विजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी पर्व-त्योहारों के संपन्न होने के एक माह के भीतर पारदर्शी प्रक्रिया के तहत मंदिर की नई प्रबंध समिति का गठन किया जाएगा। तब तक मंदिर की व्यवस्था, देखरेख और वित्तीय संचालन की जिम्मेदारी अंचलाधिकारी (सीओ) की अध्यक्षता में गठित अंतरिम निगरानी समिति संभालेगी। बैठक में एसडीपीओ अभिषेक कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर धनंजय कुमार निर्दोष, सीओ अतुल कुमार बादल और थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार सहित क्षेत्र के सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मंदिर प्रबंधन को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक गहमागहमी और तीखी बहस होती रही। एक पक्ष ने मंदिर का संचालन पूर्व से करते आने का दावा करते हुए इसे धार्मिक न्यास पर्षद से पंजीकृत कराने की मांग उठाई, जबकि दूसरे पक्ष ने मौजूदा प्रबंधन व्यवस्था पर अपना दावा प्रस्तुत किया। इस दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि विवाद से जुड़े कुछ मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं। उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ विजय कुमार ने मंदिर के पिछले पांच वर्षों के आय-व्यय का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करने और उसकी समीक्षा करने के साथ ही वर्तमान कोष में जमा राशि का हिसाब भी लिया। उन्होंने मंदिर प्रबंधन में पारदर्शिता बनाए रखने, वित्तीय अनियमितताओं की आशंका को दूर करने तथा आपसी विवाद को समाप्त कर शांतिपूर्ण माहौल में धार्मिक गतिविधियों के संचालन पर विशेष जोर दिया। बैठक में तय किए गए निर्णयों के अनुसार, आगामी पर्व-त्योहारों के संपन्न होने के एक माह के भीतर नियमानुसार नई प्रबंध समिति का गठन किया जाएगा। तब तक अंतरिम व्यवस्था के तहत पूर्व एवं वर्तमान प्रबंध समिति के प्रतिनिधियों के साथ तीन निष्पक्ष गणमान्य नागरिकों को शामिल कर निगरानी समिति बनाई जाएगी। इस समिति की अध्यक्षता अंचलाधिकारी करेंगे। उनकी पूर्व अनुमति के बिना मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार का नया निर्माण कार्य या वित्तीय लेन-देन नहीं किया जा सकेगा। बैठक में रंजीत गाड़िया, भाजपा नेता प्रभुनारायण, भोला यादव, नगेन्द्र सिंह यादव, पुरुषोत्तम चौधरी, वीरेंद्र कुशवाहा, रामविनय यादव, उदय जायसवाल, प्रकाश सिंह काका, धीरेंद्र सिंह, अजय सिंह, दिनेश कुशवाहा, दारा सिंह, सतीश यादव और उमेश जायसवाल सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कुरनिया माता मंदिर क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था का केंद्र है। ऐसे में मंदिर के प्रबंधन को लेकर उत्पन्न विवाद का समाधान आपसी सहमति, पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के अनुरूप किया जाएगा। साथ ही, मंदिर परिसर में शांति, सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सरकारी हथियार के साथ वीडियो बनाना महिला सिपाही को पड़ा भारी, निलंबित

बीएनएम@ बेतिया

सरकारी हथियार के साथ सिविल ड्रेस में वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करना साठी थाना की महिला सिपाही को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने का मामला पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण के संज्ञान में आने के बाद जांच कराई गई। जांच में सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी मानक संचालन प्रक्रिया के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में लापरवाही सामने आई। इसके बाद एसपी ने महिला सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 26 सितंबर को सोशल मीडिया पर साठी थाना की महिला सिपाही का सरकारी हथियार के साथ सिविल ड्रेस में बनाया गया वीडियो प्रसारित हुआ था। मामला सामने आने के बाद एसपी ने इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), पश्चिम चंपारण को जांच की जिम्मेदारी दी। जांच के दौरान महिला सिपाही द्वारा बिहार पुलिस मुख्यालय, पटना से सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर जारी निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने में लापरवाही बरतने की पुष्टि हुई। इसके बाद एसपी ने कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश जारी किया और विभागीय कार्रवाई शुरू करने को कहा। पश्चिम चंपारण पुलिस ने सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से संबंधित विभागीय नियमों और निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित पुलिसकर्मी या पदाधिकारी के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बुनियाद हवाई उम्मीदें

स्टार्ट-अप रिसर्च फर्म ट्रैक्सन के मुताबिक एआई में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। नतीजतन, कम-से-कम 10 भारतीय स्टार्ट-अप्स अपना यूनिकॉर्न का दर्जा गंवा चुके हैं। भारत में कम से कम 10 स्टार्ट-अप्स 2024 के बाद से अपना यूनिकॉर्न दर्जा गंवा चुके हैं। यूनिकॉर्न उन नई टेक कंपनियों को कहा जाता है, जिनका बाजार मूल्य एक बिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भारतीय स्टार्ट-अप्स विदेशी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बने। नतीजतन, 2020-21 के बाद से तकरीबन 100 भारतीय स्टार्ट-अप्स को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'स्टार्ट-अप इंडिया' योजना की कामयाबी बताया गया। लेकिन 2024 से कहानी पलटनी शुरू हो गई। स्टार्ट-अप रिसर्च एवं एनालिटिक्स फर्म ट्रैक्सन के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। उधर अमेरिकी बॉन्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ीं, जिनसे वहां निवेश करने में ज्यादा फायदा नजर आने लगा। इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी तमाम तरह की नकारात्मक चर्चाएं चलीं। तो कहा जा रहा है कि निवेशक अब कहानी के बजाय कारोबार की ठोस संख्याओं (मुनाफा) को देख रहे हैं। यानी धारणा बनी है कि भारतीय स्टार्ट-अप्स ने उज्ज्वल भविष्य की कहानियां निवेशकों को बेची थीं, जिनमें अब निवेशकों का भरोसा घट गया है। पर दीगर है कि निवेशकों का अभी जो आकर्षण केंद्र है, वह भी फिलहाल रेत की जमीन पर ही टिका है। अंतरराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में एआई में हुए अनियंत्रित निवेश को बाजार का बबूला मानने वालों की तदाद तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में इजाफे के साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना मजबूत हुई है।

उधर अमेरिका सरकार पर 40 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, इसलिए उसके बॉन्ड भी अब ऊंची ब्याज दर पर बिक रहे हैं। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी के सिकुड़ने की आशंका है। कहा गया है कि हर बड़ा मार्केट बबल तब फटा, जब मुख्य कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत (यानी ब्याज दर) तेजी से बढ़ी। यह सवाल चर्चा में है कि क्या एआई बूम का भी वही हाल होने जा रहा है? गौरतलब है कि चाहे स्टार्ट-अप बूम हो या एआई, दोनों की बुनियाद हवाई उम्मीदें रही हैं। ऐसी कथाओं का अक्सर निराशाजनक अंत होता है।

युगपुरुष श्रद्धेय अशोक सिंहल का जन्मशताब्दी वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर। इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। 27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाजएवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था।

मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंघल सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया।

आदरणीय अशोक अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता महावीर की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई बी.पी. सिंघल पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे। दूसरे भाई वी.पी. सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने

वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया। अशोक सिंघल ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वो मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते। स्वर्गीय अशोक सिंघल के विचार बहुत सुलझे हुए थे।

वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले कामेश्वर चौपाल के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया। राष्ट्र-निर्माण के साथ ही अशोक सिंघल के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने अशोक सिंघल के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे।

आदरणीय अशोक को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे 'एकल गीत' गाया करते थे। उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी। वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'है मातृभूमि मेरी, है पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था।

स्वर्गीय अशोक सिंघल ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के प्रिय अशोक सिंघल के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

सरकार, चुनाव आयोग और न्याय पालिका में भगदड़?

सनत जैन

देश की राजनीति में पिछले कुछ दिनों में जिस तेजी से घटनाक्रम बदला है, उसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की थी। चुनाव आयोग को लेकर एक के बाद एक सवाल उठ रहे हैं। अब इन सवालों की आंच केवल आयोग तक सीमित नहीं रह गई है। सरकार, चुनाव आयोग और न्याय पालिका की भूमिका सार्वजनिक बहस के केंद्र में आ गई है। सवाल यह नहीं है, आरोप किस पर लगे हैं। सवाल यह है, संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कैसे बचेगा?

सबसे बड़ा विवाद एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर है। पश्चिम बंगाल में लाखों नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बड़ी संख्या में अपील, सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए ट्रिब्यूनल बनाना, उनमें से बहुत कम मामलों का अब तक निपटारा,यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार 38 लाख से अधिक अपीलें सामने आईं। बड़ी संख्या अभी भी लंबित है। जिन मामलों में फैसला आया है, उसमें 91 फ़ीसदी मतदाता सही पाए गए हैं। अभी तक 13 करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। 2024 के बाद से 18 साल की उम्र पूरी कर चुके मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के आधार पर जारी नोटिसों की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है क्या नोटिस यांत्रिक तरीके से भेजे गए हैं?

यहीं से असली सवाल शुरू होता है। क्या मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज है। या लोकतंत्र की बुनियाद है।यदि एक पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटता है। तो नुकसान केवल एक व्यक्ति का नहीं, उसके लोकतांत्रिक अधिकार का होता है। चुनाव आयोग ने जो नया पोर्टल बनाया है उसमें बीएलओ,एआर ओ, तथा जिला स्तर पर जो अधिकार मतदाता सूची को तैयार करने और मतगणना, चुनाव परिणाम घोषित करने के अधिकारों को चुनाव आयोग ने अपने पास ले लिया था। यह केंद्रीकृत व्यवस्था संवैधानिक नियमों के खिलाफ थी। इस पर सबसे ज्यादा विवाद देखने को मिल रहा है। इसकी जानकारी दोनों चुनाव आयुक्त को भी नहीं दी गई। चुनाव आयोग के भीतर के मतभेद अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन चुके हैं। रिपोर्टों के अनुसार दोनों चुनाव आयुक्तों ने पिछले महीनों में आयोग के कई निर्णयों पर आपत्तियां दर्ज कीं। अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच 14 आपत्तियों का उल्लेख सामने आया है। तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था में निर्णयों को लेकर ऐसी गंभीर असहमति है,तो देश को यह जानने का अधिकार है, निर्णय लेने की वास्तविक प्रक्रिया क्या थी। किस स्तर पर किसकी सहमति से निर्णय लिए गए।इसके साथ चुनाव आयोग के तकनीकी ढांचे, पोर्टल और सॉफ्टवेयर को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आयोग स्वयं अनेक डिजिटल एप्लीकेशन और पोर्टल संचालित कर रहा है। इसकी जानकारी भी दो चुनाव आयक्तों के पास नहीं है। नए तकनीकी बदलावों, डेटा प्रबंधन और मतदाता सूची से जुड़े सॉफ्टवेयर पर आयोग के भीतर ही पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। उनका सार्वजनिक और स्वतंत्र ऑडिट क्यों नहीं होना चाहिए? इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू न्यायपालिका है। एसआईआर को लेकर लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। अब अदालत स्वयं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल पूछ रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि न्यायपालिका पर आरोप स्वतः सिद्ध हो गए। यह जरूर है, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर उठने वाले हर सवाल का जवाब न्यायपालिका द्वारा रिकॉर्ड पर दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और केंद्रीय चुनाव आयोग के प्रमुख आयुक्त ज्ञानेश कुमार के निजी संबंधों को लेकर भी तरह-तरह की जानकारी सार्वजनिक हो रही है। इसका भी खुलासा होना जरूरी है।नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम से जुड़ा मामला इस बहस को और संवेदनशील बनाता है। मेधा रूपम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की पुत्री हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक छात्रा की एनएसए हिरासत को रद्द करते हुए अधिकारियों पर गंभीर टिप्पणियां की थीं। 5 लाख रूपये के मुआवजे का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने, हाईकोर्ट की टिप्पणियों और मुआवजा वसूली वाले हिस्से पर रोक लगा दी है। छात्रा की हिरासत रद्द करने का आदेश बरकरार रखा है। सुनवाई के दौरान वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग फीड म्यूट किए जाने और मामले की लिस्टिंग को बदलने को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को पारदर्शिता के साथ काम करना होगा, जो कानूनी संरक्षण मिला हुआ है वह निष्पक्षता और पारदर्शिता से काम करने के लिए मिला हुआ है। किसी संस्था को पहले से दोषी घोषित करने की जरूरत नहीं है। जरूरत है, चुनाव आयोग के सभी महत्वपूर्ण निर्णयों, मतदाता सूची के डेटा, सॉफ्टवेयर मे हुये बदलावों और एसआईआर की पूरी प्रक्रिया का स्वतंत्र तकनीकी तथा न्यायिक ऑडिट हो। यदि सब कुछ सही है, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग और ज्ञानेश कुमार को जांच से कैसा डर ? यदि कहीं गड़बड़ी है,तो उसे छिपाने का अधिकार किसी को भी नहीं है। विपक्ष इन घटनाओं को सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ बड़ा हथियार बना रहा है। राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देकर पूरे मामले में गवाह बनने की मांग इसी राजनीतिक दबाव का हिस्सा है। लोकतंत्र में अंतिम फैसला आरोपों से नहीं, सबूतों और स्वतंत्र जांच से होना चाहिए। जब तक जांच पूरी नहीं होती, ऐसी स्थिति में ज्ञानेश कुमार को स्वयं अलग हो जाना चाहिए। सबसे खतरनाक स्थिति वह होगी जब सरकार चुनाव आयोग पर, चुनाव आयोग अधिकारियों पर और अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने लगें।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। छात्रों के लिए आज का दिन व्यस्त रहेगा। आज आपके हार्ड वर्क से जल्द ही सफलता आपके कदम चूमेगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों का आज प्रमोशन होगा। आपको बिजनेस में कोई बड़ी डील मिल सकती है। इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके पास कई कार्य होंगे जिनमें से आपको कुछ कार्यों की शुरुआत करनी होगी और उन्हें अंतिम रूप देना होगा। आज आपको किसी व्यक्ति की मदद करने का मौका मिलेगा। आपके बच्चे आपको कोई अच्छी खबर सुना सकते हैं, जिससे घर में रौनक रहेगी। आपको खुद पर गर्व होगा। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन धन लाभ दिलाने वाला है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके पुराने दोस्त आपसे मिलने आ सकते हैं। आज ऑफिस के किसी काम में हड़बड़ी नहीं करेंगे तो काम समय पर व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज व्यापार में आपको किसी उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा, जिससे आपकी परेशानी का निवारण हो जायेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने जीवनसाथी की बात को समझने की कोशिश करेंगे। आज शाम किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिससे आपकी दोस्ती हो सकती है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। ऑफिस के काम में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा कि किसी अपने की काम में मदद लें... तो काम आसानी से सफल होगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके घर में नया मेहमान आ सकता है, घर खुशियों से भर जायेगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी व समय से पूरा हो जायेगा। आज आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आज आपका साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वो आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपने खाली समय का सदुपयोग नई चीजें सीखने में करें, जो आपकी उन्नति में योगदान देगा। आज आपसे मिलने कोई व्यक्ति आएगा जो आपका बेहद प्रिय होगा, उससे मिलकर आपको खुशी होगी। आज आप किसी मित्र की आर्थिक सहायता करेंगे। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज धन लाभ के योग हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपकी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर आपकी बचपन की यादें ताजा हो जाएंगी। पिता आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को देखकर गर्व महसूस करेंगे। आज आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने कारोबार के साथ-साथ अपनी निजी लाइफ में बैलेंस बनाये रखें, आपका जीवन सुखमय रहेगा। घर के बुजुर्गों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज काम के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ेगी, यह यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी। आज ऑफिस में आपकी ईमानदारी से बॉस आपका इंक्रीमेंट करेंगे, आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे, आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आज आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको खुशी मिलेगी। करियर में आप नये आयाम स्थापित करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके घर कोई मेहमान आएंगे, जिससे आपके दिन भर के शेड्यूल में चेंजेस होंगे। आज माताएं अपने बच्चों को मोरल स्टोरी सुनाएंगी। कंस्ट्रक्शन के कारोबारियों का चल रहा काम आज पूरा हो जायेगा। आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, लोग आपके अच्छे कामों की सराहना करेंगे।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। हार्डवेयर के कारोबारियों का दिन लाभदायक साबित होगा। आपका कोई काम जो बहुत दिनों से पूरा नहीं हो रहा था, आज किसी सहयोगी की सहायता से पूरा हो जायेगा। आज आप माता-पिता के लिए कोई सरप्राइज प्लान करेंगे। इस राशि के जो लोग वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं उनके लिए आज ज्यादा लाभ के योग हैं।

मीन राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपका मन किसी नए काम में लगेगा। कठिन कार्यों में भी आप हार नहीं मानेंगे, आप तरक्की के बहुत नजदीक हैं। आपकी काबिलियत से आज आपको नयी पहचान मिलेगी। इस राशि के जो मार्केटिंग के बिजनेस से जुड़े हैं उनके बिजनेस में आज इजाफा होगा। आज आपको संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिलेगी, यह खुशखबरी जॉब से रिलेटेड भी हो सकती है।

मृत्यु के बाद भव्य श्राद्ध,पर जीते-जी बुजुर्गों व माता-पिता की उपेक्षा क्यों ?

किशन सनमुखदास भावनानीं

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता में माता-पिता,गुरु और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि जीवन-मूल्य माना गया है।इसी भावना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वरूप है पितृ पक्ष,जिसमें मनुष्य अपने दिवंगत पूर्वजों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।वर्ष 2026 में तिथियों को लेकर 26 और 27 सितंबर का कुछ भ्रम दिखाई दे रहा है,किंतु मीडिया में आई पंचांग गणना के अनुसार 26 सितंबर 2026,शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा और पूर्णिमा श्राद्ध है,जबकि मुख्य पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध से होगा और 10 अक्टूबर 2026,शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा।पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर को पितृ पक्ष से ठीक पहले पड़ता है।प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की रात प्रारंभ होने के कारण भी दोनों तारीखों को लेकर भ्रम पैदा होता है।सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इस प्रकार धार्मिक दृष्टि से 26 सितंबर का भी श्राद्ध संबंधी महत्व है,लेकिन प्रतिपदा से आरंभ होने वाला पितृ पक्ष 27 सितंबर से माना जाना अधिक सटीक है।परंतु मैं एडवोकेट क़िशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि पितृ पक्ष 2026 का सबसे बड़ा प्रश्न पंचांग की तारीख नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की तारीख बदलने का है। जिस देश की संस्कृति "मातृ देवो भव,पितृ देवो भव" का संदेश देती है,उसी समाज के सामने आज यह असहज प्रश्न खड़ा है कि कहीं हम मृत्यु के बाद माता-पिता के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने में तो आगे नहीं बढ़ रहे, लेकिन उनके जीवित रहते हुए उनके लिए समय, संवाद, सम्मान और सहारा देने में पीछे तो नहीं हट रहे? तकनीकी और डिजिटल युग ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है, परंतु कई परिवारों में एक ही घर के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ने की चिंता भी लगातार व्यक्त की जाती है।नई पीढ़ी शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और वैश्विक अवसरों के कारण शहरों तथा विदेशों तक पहुंच रही है जो स्वयं में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रगति है लेकिन इस प्रगति का अर्थ माता-पिता और बुजुर्गों से भावनात्मक संबंध समाप्त होना नहीं हो सकता।तकनीक समस्या नहीं है; समस्या तब है जब सुविधा संवेदना की जगह लेने लगे।

साथियों बात अगर हम 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक दिन क़े श्राद्ध को समझने की करें तो 26 सितंबर 2026, शनिवार- पूर्णिमा श्राद्ध,27 सितंबर, रविवार-प्रतिपदा श्राद्ध, 28 सितंबर,सोमवार- द्वितीया श्राद्ध, 29 सितंबर, मंगलवार- तृतीया श्राद्ध और महाभरणी श्राद्ध 30 सितंबर,बुधवार- चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध, 1 अक्टूबर, गुरुवार- षष्ठी श्राद्ध, 2 अक्टूबर, शुक्रवार- सप्तमी श्राद्ध, 3 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी श्राद्ध, 4 अक्टूबर, रविवार- नवमी श्राद्ध, 5 अक्टूबर, सोमवार- दशमी श्राद्ध, 6 अक्टूबर, मंगलवार- एकादशी श्राद्ध, 7 अक्टूबर, बुधवार- द्वादशी और मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर, गुरुवार- त्रयोदशी श्राद्ध, 9 अक्टूबर, शुक्रवार- चतुर्दशी श्राद्ध, 10 अक्टूबर शनिवार सर्वपितृ अमावस्या साथियों,सोशल मीडिया पर समय-समय पर ऐसे मार्मिक वीडियो,समाचार और दावे सामने आते रहते हैं जिनमें कहीं वृद्ध माता-पिता को अकेला छोड़ने, कहीं बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और कहीं संतान द्वारा अंतिम समय में भी उपस्थित न हो पाने जैसी घटनाएं दिखाई जाती हैं। प्रत्येक वायरल वीडियो की स्वतंत्र सत्यता जांचे बिना उसे पूरे समाज का प्रतिनिधि तथ्य नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा करती हैं,यदि माता-पिता जीवित रहते हुए हमारी उपस्थिति, प्रेम और सहारे के लिए तरसते रहें, तो उनके निधन के बाद विशाल आयोजन महंगे कर्मकांड और सार्वजनिक प्रदर्शन क्या उस अनुपस्थिति की भरपाई कर सकते हैं?श्राद्ध की आत्मा "श्रद्धा" है और श्रद्धा का पहला प्रमाण जीवित माता-पिता के प्रति व्यवहार होना चाहिए। मृत्यु के बाद फूल चढ़ाना सुंदर परंपरा हो सकती है, किंतु जीवन रहते हुए प्रेम के दो शब्द, साथ बैठकर भोजन, बीमारी में सेवा, नियमित संवाद और सम्मान कहीं अधिक जीवंत श्रद्धांजलि हैं। साथियों,यहीं पितृ पक्ष का आध्यात्मिक संदेश आधुनिक सामाजिक विमर्श में असाधारण रूप से प्रासंगिक हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने बुजुर्ग माता-पिता को अकेलेपन,आर्थिक असुरक्षा या अपमान में छोड़कर बाद में भव्य श्राद्ध आयोजित करता है,तो समाज कोकर्मकांड के साथ उसके मूल उद्देश्य पर भी विचार करना चाहिए। इसका अर्थ धार्मिक अनुष्ठानों को कमतर आंकना नहीं है; बल्कि उनके भीतर निहित कर्तव्य, सेवा और कृतज्ञता को व्यवहार में उतारना है।जिस पिता ने अपनी आवश्यकताओं को सीमित करके संतान की शिक्षा पर खर्च किया, जिस मां ने अपना सुख त्यागकर बच्चों का भविष्य बनाया,उनके वृद्ध होने पर उन्हें "बोझ" समझना केवल पारिवारिक विफलता नहीं,बल्कि सामाजिक मूल्यों के क्षरण का संकेत है।विदेश या दूसरे शहर में रहना उपेक्षा का पर्याय नहीं होना चाहिए।आज वीडियो संवाद,तत्काल धन हस्तांतरण,स्वास्थ्य निगरानी और अनेक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हैं;अर्थात वही तकनीक जिसे दूरी का कारण माना जाता है, सही उपयोग से माता-पिता के साथ संबंध मजबूत करने का माध्यम भी सटीकता से बन सकती है। साथियों, हिंदू धार्मिक परंपरा में पितृ पक्ष केवल कर्मकांड का समय नहीं,बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने, अपने अस्तित्व में पूर्वजों के योगदान को स्वीकार करने और अगली पीढ़ी तक कृतज्ञता के संस्कार पहुंचाने का अवसर है।धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में पितर सूक्ष्म रूप से अपने वंशजों के निकट आते हैं और श्रद्धापूर्वक किए गए तर्पण, पिंडदान, अन्नदान तथा श्राद्ध को स्वीकार कर आशीर्वाद देते हैं। इसे वैज्ञानिक तथ्य के बजाय धार्मिक आस्था और परंपरा के रूप में समझना उचित है। किंतु इसके पीछे छिपा सामाजिक और दार्शनिक संदेश सार्वभौमिक है,मनुष्य अकेला नहीं बनता; उसके वर्तमान के पीछे माता-पिता और अनेक पीढ़ियों का त्याग,परिश्रम, संस्कार और संघर्ष खड़ा होता है। यही कारण है कि पूर्वज- स्मरण की परंपराएं केवल भारत तक सीमित नहीं हैं।दुनियाँ की अनेक संस्कृतियों में अलग-अलग रूपों में दिवंगत पूर्वजों को स्मरण करने, उनकी कब्रों या स्मृति-स्थलों पर जाने और परिवार के साथ उनकी स्मृतियां साझा करने की परंपराएं मिलती हैं। इसलिए पितृ पक्ष को भारतीय संस्कृति के साथ-साथ मानवीय कृतज्ञता के व्यापक दर्शन के रूप में भी सटीकता से देखा जा सकता है। साथियों,भारत में बुजुर्गों के अधिकारों को केवल नैतिकता के भरोसे नहीं छोड़ा गया है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण- पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 जैसी कानूनी व्यवस्था संतान और रिश्तेदारों की जिम्मेदारियों के प्रश्न को विधिक आयाम भी देती है। लेकिन प्रत्येक पारिवारिक संबंध को कानून के सहारे जीवित नहीं रखा जा सकता। अदालत आर्थिक भरण- पोषण का आदेश दे सकती है, परंतु माता के अकेलेपन को पुत्र के स्नेह में और पिता की प्रतीक्षा को बेटी के संवाद में परिवर्तित करने का आदेश कोई कानून नहीं दे सकता। उसके लिए संस्कारों की सामाजिक पुनर्जागृति आवश्यक है।विद्यालयों, परिवारों, धार्मिक- सामाजिक संस्थाओं और जनसंचार माध्यमों को मिलकर ऐसी चेतना विकसित करनी होगी जिसमें बच्चों को सफलता का अर्थ केवल उच्च वेतन, बड़ा पद और विदेश में नौकरी नहीं, बल्कि उन हाथों का सम्मान करना भी सिखाया जाए जिन्होंने उन्हें वहां तक पहुंचाया है। साथियों,आज आवश्यकता किसी हिंसक अथवा टकराव पूर्ण क्रांति की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की विराट सामाजिक क्रांति की है,ऐसी क्रांति जिसमें पितृ पक्ष के सोलह दिनों की श्रद्धा वर्ष के शेष दिनों में भी माता-पिता की सेवा में दिखाई दे।परिवार सप्ताह में कम-से-कम कुछ निश्चित समय बुजुर्गों के साथ संवाद के लिए निर्धारित करें; दूर रहने वाली संतान नियमित संपर्क रखे; स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता की जिम्मेदारी साझा की जाए; बच्चों को दादा-दादी और नाना-नानी के जीवन-संघर्ष की कहानियां सुनाई जाएं। इससे पीढ़ियों के बीच केवल संबंध नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कारों का हस्तांतरण भी होगा। डिजिटल युग को दोष देने के बजाय डिजिटल साधनों को "पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु" बनाना आज की वास्तविक आवश्यकता है। अतः 27 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक का पितृ पक्ष हमारे सामने केवल पूर्वजों का श्राद्ध करने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दर्पण लेकर आ रहा है। प्रश्न यह नहीं कि हमने पितरों के लिए कितने दीप जलाए, कितने लोगों को भोजन कराया अथवा कितना बड़ा अनुष्ठान किया; बड़ा प्रश्न यह है कि जब हमारे माता- पिता हमारे सामने थे, तब हमने उनके जीवन में कितनी रोशनी भरी? पितृ पक्ष की सार्थकता तभी पूर्ण होगी जब "मृत्यु के बाद श्रद्धा" के साथ "जीवन रहते सेवा" हमारी पारिवारिक संस्कृति का अटूट सिद्धांत बने। शायद आधुनिक भारत के लिए पितृ पक्ष का सबसे बड़ा संदेश यही है,श्राद्ध से पहले श्रद्धा, कर्मकांड से पहले कर्तव्य और मृत्यु के बाद सम्मान से पहले जीवन रहते माता-पिता का मान- सम्मान।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट कोहली का नया अवतार: कैफ बोले, खून के आंसू पिए, अब कोई छू नहीं सकता

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने हाल ही में सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली के नए अवतार की जमकर सराहना की है, जिसके बाद कोहली ने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में एक तूफानी शतक जड़ा। कैफ ने कहा कि पिछले साल कोहली को संन्यास लेने की सलाह देने वाले लोग अब उन्हें छूने की हिम्मत भी नहीं कर सकते। 37 वर्षीय कोहली ने रविवार को 88 गेंदों में नाबाद 139 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे – यह पहली बार था जब उन्होंने एक वनडे पारी में 9 छक्के लगाए। उनकी इस विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने 296 रनों का लक्ष्य 41.4 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। कैफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में उस समय को याद किया जब अक्टूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लगातार दो वनडे मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। उस वक्त कई लोगों ने उन्हें संन्यास लेने की सलाह तक दे डाली थी। हालांकि, कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में तीसरे वनडे में नाबाद 74 रन बनाकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया था। कैफ ने बताया कि उस घटना के बाद से कोहली ने कुल 11 वनडे पारियां खेली हैं और 900 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें चार शानदार शतक शामिल हैं। कैफ ने टिप्पणी की कि कोहली अब एक बिल्कुल अलग अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया। उनकी वर्तमान आक्रामक शैली इस नए अवतार का प्रमाण है। पूर्व बल्लेबाज ने कोहली के उतार-चढ़ाव भरे 18 साल के करियर पर प्रकाश डालते हुए कहा, कोहली ने खून के आंसू भी पिए हैं। कैफ ने जोर देकर कहा कि जब कोहली का बल्ला चलता है, जो उनका शस्त्र है, तो किसी की मजाल नहीं कि उन्हें छू पाए। उन्होंने कोहली की दृढ़ता की सराहना की, जो अब केवल वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, क्योंकि वे टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। कैफ ने विराट कोहली के आईपीएल करियर का भी जिक्र किया, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार दो बार चैंपियन बनकर अपना दबदबा कायम किया और कोहली आईपीएल 2026 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे। कैफ ने कहा कि कोहली युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। उन्होंने युवाओं को कोहली से फिटनेस, भूख, तपस्या, कड़ी मेहनत और लगातार अपने मुकाम को बनाए रखने की सीख लेने की सलाह दी। कैफ ने बताया कि जब भी कोहली नीली जर्सी में भारत के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो उनका अंतिम लक्ष्य टीम को जीत दिलाना और नाबाद लौटना होता है। इस शानदार पारी के साथ, कोहली 15,000 वनडे रन पूरे करने वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं, जिसके लिए कैफ ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

डब्ल्यूपीएल 2027 की रिटेंशन लिस्ट जारी, आरसीबी ने चार खिलाड़ियों को किया रिलीज

एजेंसी, मुंबई

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए सभी पांच फ्रेंचाइजियों ने अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी की है। आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में आयोजित होगी। वहीं, टूर्नामेंट 14 जनवरी से 7 फरवरी तक खेला जाएगा। लीग के नियमों के तहत एक टीम में अधिकतम 18 खिलाड़ी हो सकते हैं, जिसमें छह तक विदेशी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लिन्से स्मिथ, ग्रेस हैरिस, दयालन हेमलता और गौतमी नाइक को रिलीज किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने एलानी किंग, एडला स्त्रुजना, लिजेल ली, प्रगति सिंह, स्नेहा राणा और तानिया भाटिया को टीम से बाहर किया। दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने जी कमलिनी, मिल्ली इलिंगवर्थ, क्रांति रेड्डी, पूनम खेमनार, सैका इशाक और त्रिवेणी वशिष्ठ को रिलीज किया है। गुजरात जायंट्स ने डैनी व्याट-हॉज, आयुषी सोनी, तितास साधु और शिवानी सिंह को रिलीज किया, जबकि यूपी वॉरियर्स ने आशा शोभना, श्वेता सहरावत, किरण नवगिरे, डिएंड्रा डॉटिन, एमी जोन्स और क्लोट्रायोन को टीम से बाहर किया है। डब्ल्यूपीएल में फिलहाल दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्स, आरबीसी, मुंबई इंडियंस और गुजरात जायंट्स पांच टीमें हिस्सा ले रही हैं। नीलामी से पहले सभी फ्रेंचाइजियों की रणनीति पर नजर रहेगी। आरसीबी और मुंबई इंडियंस अपनी मौजूदा मजबूत टीमों के प्रमुख खिलाड़ियों को बनाए रखते हुए नए विकल्प तलाश सकती हैं। वहीं, यूपी वॉरियर्स पिछली निराशाजनक मुहिम के बाद टीम संयोजन में बदलाव कर सकती है। दिल्ली और गुजरात भी नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों पर दांव लगाने के साथ अपने स्क्वॉड को संतुलित करने की कोशिश करेंगी।

विराट कोहली का अनूठा रिकॉर्ड: एक ही गेंदबाज के खिलाफ दो बार ठोकी स्पेशल फिफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर अपनी बेजोड़ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। रविवार, 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले वनडे इंटरनेशनल मैच में कोहली ने न केवल तूफानी शतक जड़ा, बल्कि एक ऐसा दुर्लभ कारनामा भी कर दिखाया जो वनडे क्रिकेट में कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ के खिलाफ अकेले ही 53 रन बना डाले, जो उनके वनडे करियर में दूसरी बार है जब उन्होंने किसी एक गेंदबाज के खिलाफ 50 से अधिक रन बनाए हों। इस मुकाबले में किंग कोहली अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अंत तक नाबाद रहे और उन्होंने मात्र 88 गेंदों पर 10 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 139 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। यह तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज का पहला मुकाबला था। इसी दौरान उन्होंने अल्जारी जोसेफ को अपना निशाना बनाया। शुरुआत में जोसेफ खतरनाक दिख रहे थे और उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को पवेलियन भेजकर वेस्टइंडीज को महत्वपूर्ण सफलता भी दिलाई थी, लेकिन कोहली ने उन्हें संभलने का मौका नहीं दिया। उन्होंने जोसेफ की गेंदों पर लगातार प्रहार करते हुए 53 रन जोड़े और अपने शतक के बीच एक स्पेशल फिफ्टी भी पूरी कर ली।

वनडे में सबसे ज्यादा रन देने वाले 5 तेज गेंदबाज, अटूट है 23 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में गेंदबाजों के लिए रन बचाना हमेशा एक बड़ी चुनौती रहा है, खासकर जब बल्लेबाजों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। खेल के लंबे इतिहास में, कुछ ऐसे गेंदबाज भी हुए जिन्होंने देश के लिए दशकों तक गेंदबाजी की, सैकड़ों मुकाबले खेले, और परिणामस्वरूप, विकेटों के अंबार के साथ-साथ सबसे ज्यादा रन खर्च करने वाले गेंदबाजों की सूची में भी शीर्ष पर पहुंच गए। दशकों तक अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलने वाले गेंदबाजों के खाते में रन जुड़ना स्वाभाविक है। आइए, एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन खर्च करने वाले शीर्ष पांच तेज गेंदबाजों की दिलचस्प कहानी पर नजर डालते हैं। इस सूची में सबसे ऊपर पाकिस्तान के महान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वसीम अकरम का नाम आता है। 1984 से 2003 के बीच लगभग 19 साल के अपने शानदार करियर में, अकरम ने 356 वनडे मैच खेले। 18,000 से अधिक गेंदें फेंकने के दौरान, उन्होंने कुल 11,812 रन खर्च किए, जो किसी भी तेज गेंदबाज द्वारा दिए गए सर्वाधिक रन हैं, हालांकि यह आंकड़ा उनके विशाल करियर और 502 विकेटों की महान उपलब्धि का प्रतीक है। 3.89 की असाधारण इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हुए, उन्होंने 6 बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी किया।

हिमाचल के एशियन गेम्स पदक विजेताओं पर हुई पैसों की बरसात

एजेंसी, शिमला

जापान के आइची-नागोया में आयोजित 20वें एशियाई खेलों में हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों पर राज्य सरकार ने धनवर्षा की है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इन पदक विजेता एथलीटों के लिए कुल 5.33 करोड़ रुपये की भारी-भरकम पुरस्कार राशि का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनके सम्मान में दी जाने वाली इस प्रोत्साहन राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित पुरस्कार राशि में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की चार हिमाचली खिलाड़ियों को 33-33 लाख रुपये दिए जाएंगे। इनमें पुष्पा राणा, रितु नेगी, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर शामिल हैं, जिनके लिए कुल 1.33 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इन चारों खिलाड़ियों ने टीम के साथ मिलकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पुरुषों की मैराथन प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर इतिहास रचने वाले सावन बरवाल को प्रदेश सरकार की ओर से 2.50 करोड़ रुपये की सम्मान राशि मिलेगी। वहीं, महिलाओं की 10 हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल करने वाली सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में आनंद सीमलेस की सांकेतिक बढ़त के साथ शुरुआत, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

आयरन एंड स्टील सेक्टर की कंपनी आनंद सीमलेस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ लिस्ट होकर कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 10 पैसे प्रीमियम के साथ 72.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 75 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी दर्ज की गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 73 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर एक रुपये यानी 1.39 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 25.52 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.98 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 35.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी टेक्नोलॉजिकल अपग्रेडेशन और अपनी क्षमता का विस्तार करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। आनंद सीमलेस लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 2.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 5.48 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 37 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 33.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 56.17 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 14.21 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में थोड़ा बढ़ कर 21.22 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 28.21 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 11.40 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 14.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर जबरदस्त दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

कमजोर ग्लोबल संकेतों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी के कारण बने निगेटिव माहौल की वजह से घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांको की कमजोरी बढ़ती चली गई।

बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.80 प्रतिशत और निफ्टी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 138.04 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,633.68 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के तुरंत बाद हुई मामूली खरीदारी के कारण यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से लगभग 50 अंक उछल कर 72,684.90 अंक तक पहुंचा।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने और ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में गिरावट का रुख बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 347.11 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,481.51 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.77 प्रतिशत टूट कर 7,683.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 248.34 अंक यानी 0.92 प्रतिशत फिसल कर 26,820.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,413.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,684.88 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत लुढ़क कर 25,374.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स सत्र के अंत में हुई खरीदारी के कारण 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 8,078.48 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजार में आज कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,826.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 129.50 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,695 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत फिसल कर 1,594.42 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 754.62 अंक यानी 1.15 प्रतिशत लुढ़क कर 65,123 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स पर भी आज लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 215.51 अंक यानी 0.87 प्रतिशत टूट कर 24,427 अंक के स्तर पर तक आ गया है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जोरदार गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 2,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,560 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,160 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,50,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

हिमालय न्यूट्रावेदिक्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली । आयुर्वेदिक क्लासिकल फॉर्मुलेशंस और न्यूट्रास्युटिकल सप्लिमेंट्स बनाने वाली कंपनी हिमालय न्यूट्रावेदिक्स इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 106 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 11.32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 118 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की स्थिति में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदीरी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 123.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 17.90 रुपये यानी 16.89 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 26.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.33 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 100 प्रतिशत (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.58 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में वर्मोरा ग्रैनिटो की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

सिरेमिक और विट्रिफाइड टाइल्स, बाथवेयर और सैनिटरीवेयर का निर्माण करने वाली कंपनी वर्मोरा ग्रैनिटो लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री कर कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 148 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग चार प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 152 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 155 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली होने की वजह से ये शेयर गिर कर 151.75 रुपये के स्तर तक आया। वहीं लिवाली शुरू हो जाने पर उछल कर 163.77 रुपये के स्तर तक भी पहुंचा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 11:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 152.72 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 4.72 रुपये यानी 3.19 प्रतिशत के नुकसान में थे। इस कंपनी का 708.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 24 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.60 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.10 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.94 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

'दृश्यम 3ः द कनक्लूजन की अग्रिम बुकिंग शुरू, पहले दिन 50 करोड़ तक कमाई का अनुमान

अभिनेता अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित अपराध रोमांचक फिल्म 'दृश्यम 3ः द कनक्लूजन को लेकर दर्शकों में उत्साह बढ़ता जा रहा है। फिल्म की अग्रिम टिकट बुकिंग 27 सितंबर से शुरू हो गई है और बुकिंग खिड़की खुलते ही दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। फिल्म 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, खबर लिखे जाने तक 'दृश्यम 3 ने आरक्षित सीटों को शामिल करते हुए करीब 2.94 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज कर ली थी। वहीं, आरक्षित सीटों को छोड़कर फिल्म की अग्रिम बुकिंग से करीब 1.24 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। शुरुआती आंकड़ों को देखते हुए फिल्म की टिकट बिक्री की शुरुआत मजबूत मानी जा रही है। फिल्म के पहले दिन के कारोबार को लेकर भी शुरुआती अनुमान सामने आ गए हैं। कारोबार संबंधी रिपोर्टों के अनुसार, 'दृश्यम 3 पहले दिन भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करीब 45 से 50 करोड़ रुपये का कारोबार कर सकती है। फिल्म को 'दृश्यम श्रृंखला की लोकप्रियता का लाभ मिलने की उम्मीद है। पिछले दोनों भागों को दर्शकों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया के कारण तीसरे भाग को लेकर भी उत्सुकता बनी हुई है। इसके अलावा गांधी जयंती की छुट्टी और उसके बाद आने वाले सप्ताहांत के कारण फिल्म को लगातार तीन दिनों का छुट्टी वाला समय मिलेगा। ऐसे में शुरुआती दिनों में टिकट बिक्री मजबूत रहने की संभावना जताई जा रही है। 'दृश्यम श्रृंखला की पिछली दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। सैकनिल्क के अनुसार, 2015 में रिलीज हुई 'दृश्यम ने पहले दिन करीब 5.85 करोड़ रुपये और भारत में कुल 90.63 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया था। फिल्म का दुनियाभर का कारोबार करीब 110.40 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, 2022 में आई 'दृश्यम 2 ने पहले दिन करीब 15.38 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म ने भारत में कुल 239.67 करोड़ रुपये और दुनियाभर में करीब 342.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इन आंकड़ों के कारण तीसरे भाग से भी बड़े कारोबार की उम्मीद की जा रही है। 'दृश्यम 3ः द कनक्लूजन में अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर की भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ श्रिया सरन और इशिता दत्ता भी अपने पुराने किरदारों में वापसी कर रही हैं। फिल्म में सालगांवकर परिवार की कहानी को आगे बढ़ाया जाएगा। फिल्म के कलाकारों में एक बड़ा बदलाव भी किया गया है। अक्षय खन्ना की जगह जयदीप अहलावत को शामिल किया गया है। फिल्म का निर्देशन और कहानी से जुड़ी अन्य जानकारियां निर्माताओं ने चरणबद्ध तरीके से दर्शकों के सामने रखी हैं। अजय देवगन इन दिनों फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। वह हाल ही में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आए थे और अब सलमान खान के लोकप्रिय कार्यक्रम 'बिग बॉस 20 के सप्ताहांत विशेष कार्यक्रम में भी दिखाई देंगे।

गोविंदा-सुनीता विवाद में कोमल रानी का पलटवार, बोलीं- टूटे घर को कोई नहीं तोड़ सकता

अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के वैवाहिक जीवन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार ने सुनीता के हालिया बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। गोविंदा के साथ कथित रिश्ते को लेकर चर्चा में रही कोमल ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा बयान साझा किया। हालांकि, उन्होंने अपने संदेश में सुनीता या गोविंदा का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन उनका बयान मौजूदा विवाद के संदर्भ में देखा जा रहा है। कोमल ने अपने बयान में कहा कि जो घर पहले से टूटा हुआ हो, उसे कोई दूसरा व्यक्ति नहीं तोड़ सकता। उन्होंने लिखा, जो औरत अपने ही पति को वर्षों से जान से मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बद्दुआएं किसी को नहीं लगतीं। जो घर पहले से ही टूटा हुआ हो, उसमें कोई घर तोडने वाला नहीं हो सकता। उन्होंने आगे कहा कि देश के लोग इतने नासमझ नहीं हैं कि किसी के कह देने भर से किसी के पीछे चल पड़ें। कोमल ने यह भी सवाल उठाया कि निजी वैवाहिक विवाद को सार्वजनिक मंच पर क्यों लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि कोई व्यक्ति अपने दर्द को दूर करने के बजाय उसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित क्यों कर रहा है। उन्होंने सवाल किया कि यह वास्तव में दर्द है या फिर किसी सोची-समझी योजना का हिस्सा। अपने बयान में कोमल ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति को लगातार मानसिक रूप से परेशान करना, उसे काम करने से रोकना, घर पर बैठने के लिए मजबूर करना और उसे पूरी तरह अकेला कर देना कहां तक उचित है। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार कोई समर्पित पत्नी अपने पति के

साथ इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकती। कोमल ने यह भी सवाल उठाया कि क्या इस तरह का व्यवहार लोगों की सहानुभूति हासिल करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने अपने संदेश के अंत में सुनीता से उनका नाम अपने कथित उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं करने को कहा और लिखा कि भगवान हर अच्छे व्यक्ति को ऐसी चालाक महिलाओं से बचाए। कोमल की यह प्रतिक्रिया सुनीता आहूजा के दक्षिणेश्वर काली मंदिर जाने के एक दिन बाद सामने आई। सुनीता शुक्रवार को कोलकाता के प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर काली मंदिर पहुंची थीं। वहां उन्होंने अपने निजी जीवन में चल रही परेशानियों को लेकर मीडिया से बात की और महिलाओं तथा नई पीढ़ी के युवाओं से उनका समर्थन करने की अपील की थी। सुनीता ने कहा था, जितने भी नई पीढ़ी के बच्चे और महिलाएं हैं, मुझे समर्थन दीजिए। जो मेरे साथ हो रहा है, वह अच्छा नहीं हो रहा है। मेरा घर बिना किसी वजह के टूट रहा है। उनके इस बयान के बाद गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार को लेकर चल रही चर्चाओं को और हवा मिली। विवाद की पृष्ठभूमि में गोविंदा और कोमल रानी की हालिया सार्वजनिक मौजूदगी भी चर्चा में रही है। 22 सितंबर को दोनों मुंबई के लालबागचा राजा के दर्शन के लिए साथ पहुंचे थे। इससे पहले उसी दिन सुनीता आहूजा भी अकेले वहां दर्शन के लिए गई थीं। इसके बाद गोविंदा और कोमल की तस्वीरें और वीडियो सामने आने लगे। हालांकि, गोविंदा और कोमल के बीच प्रेम संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्टों में दोनों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, गोविंदा ने कोमल के साथ अपनी मुलाकात को अपनी आगामी फिल्म 'रूपा से जुड़ा बताते हुए कहा था कि वह फिल्म के लिए प्रार्थना करने लालबागचा राजा पहुंचे थे। फिलहाल कोमल रानी के बयान और सुनीता आहूजा की सार्वजनिक टिप्पणियों के बाद गोविंदा के निजी जीवन को लेकर चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों पक्षों के बयानों के बीच इस विवाद में लगाए गए निजी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट का धमाका, दो दिन में कमाए 19 करोड़, 'हनुमान अंश ने 50 दिन पूरे किए, 'मिर्जापुरः द मूवी की कमाई जारी

25 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के गीत भी चर्चा में हैं और कमाई के मामले में भी यह लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने दो दिनों में 19 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई कर ली है। फिल्म की कमाई के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को दूसरे दिन इसने 11 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस दिन फिल्म को 6,887 प्रदर्शन मिले और दर्शक उपस्थिति 34 प्रतिशत रही।

पहले दिन फिल्म ने 8 करोड़ रुपये कमाए थे। उस दिन इसे 6,746 प्रदर्शन मिले थे और दर्शक उपस्थिति 26 प्रतिशत रही थी। फिल्म की दो दिनों की कुल शुद्ध कमाई 19 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, सकल कारोबार 22.60 करोड़ रुपये पहुंच गया है। विदेशी बाजार से फिल्म ने शनिवार को 1.25 करोड़ रुपये कमाए, जिससे विदेशों में इसकी कुल कमाई 2.25 करोड़ रुपये हो गई है। दुनियाभर में फिल्म का कुल कारोबार 24.85 करोड़ रुपये पहुंच गया है। कोरोना महामारी के बाद के दौर में सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्मों की दूसरे दिन की कमाई के मामले में 'द वन ने अब तक की उनकी अन्य फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने दूसरे दिन 11 करोड़ रुपये कमाए। सिद्धार्थ की फिल्म 'थैंक गॉड ने दूसरे दिन 6 करोड़ रुपये कमाए थे और दो दिनों में उसका कुल कारोबार 14.10 करोड़ रुपये रहा था। वहीं 'योद्धा ने दूसरे दिन 5.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म को 7,389 प्रदर्शन मिले थे और दर्शक उपस्थिति 17 प्रतिशत रही थी। दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई 9.85 करोड़ रुपये रही थी। जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली 'परम सुंदरी ने दूसरे दिन 9.25 करोड़ रुपये कमाए थे। उसे 10,743 प्रदर्शन मिले थे और दर्शक उपस्थिति 16 प्रतिशत रही थी। फिल्म ने दो दिनों में 16.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। तमन्ना भाटिया की फिल्मों में दूसरे दिन की कमाई के मामले में 'द वन तीसरे स्थान पर है। इस सूची में 'हमशक्ल्स 12.65 करोड़ रुपये की कमाई के साथ पहले स्थान पर है, जबकि 'एंटरटेनमेंट ने दूसरे दिन 11.50 करोड़ रुपये का कारोबार कर दूसरा स्थान हासिल किया था। 11 करोड़ रुपये की कमाई के साथ 'द वन तीसरे स्थान पर है। 'हिम्मतवाला ने दूसरे दिन 9.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, 'हनुमान अंश ने प्रदर्शन के 50 दिन पूरे कर लिए हैं और अब भी सिनेमाघरों में मजबूत पकड़ बनाए हुए है। फिल्म ने आठवें शनिवार को 6.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इसे 3,979 प्रदर्शन मिले और दर्शक उपस्थिति 37 प्रतिशत रही। फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 298.03 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि सकल कारोबार 352.10 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शोभिनव सत्या मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने नीम करौली बाबा का किरदार निभाया है। 'मिर्जापुरः द मूवी ने चौथे शनिवार को 1.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म को 1,269 प्रदर्शन मिले और दर्शक उपस्थिति 30 प्रतिशत रही। फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 225.35 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि सकल कारोबार 268.22 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार, रवि किशन और रसिका दुग्गल सहित कई कलाकार नजर आए हैं। 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार ने किया है। फिल्म की अवधि 2 घंटे 45 मिनट है। इसे साहसिक, रहस्य और रोमांच की श्रेणी की फिल्म बताया गया है। फिल्म का निर्माण अरुणाभ कुमार और एकता कपूर ने किया है। फिल्म में बिहार के प्रमुख लोकपर्व छठ महापर्व को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। तमन्ना भाटिया और श्वेता तिवारी छठी मैया की पूजा करती नजर आती हैं। छठ महापर्व पर आधारित फिल्म के गीत को भी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

रिति तिवारी के पास रेंज रोवर से लेकर बड़े-बड़े ब्रांड की गाड़ियां हैंः एकम बावा

आजकल बिग बॉस-20 में भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी की बेटी रिति तिवारी अपनी साथी प्रतिभागियों के साथ बहस के दौरान आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल करने एवं अन्य बयानों के कारण तीखी आलोचना का सामना कर रही हैं। रिति की मां रानी तिवारी के दूसरे पति और पंजाबी गायक एकम बावा ने उनके इन बयानों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। इंस्टाग्राम पर एकम बावा ने एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि वे रिति को बहुत करीब से जानते हैं और उनके दावों में सच्चाई नहीं है। एकम बावा ने रिति के उस बयान पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें हर महीने सिर्फ 25,000 रुपये पॉकेट मनी मिलती है। एकम ने अपनी बात को पुख्ता करते हुए कहा, मैं 2020 से लेकर 2025 तक रिति तिवारी के घर पर रहता था। रिति की मां और मैं 2020 से लेकर 2022 तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे, फिर 2022 में हमारी शादी हो गई। इस व्यक्तिगत जुड़ाव के आधार पर उन्होंने रिति की जीवनशैली का विस्तृत खुलासा किया। वीडियो में एकम बावा कहते हैं, रिति तिवारी का मैं, आप सभी को सच बताता हूं कि उनके पास 4 से 5 लाख रुपये तक के हैंडबैग हैं, रेंज रोवर से लेकर बड़े-बड़े ब्रांड की गाड़ियां हैं। इन गाड़ियों में तो डीजल ही 2 से लेकर 3 हजार तक का पड़ता है। इसके साथ ही, इनकी स्पोर्ट्स कंपनी भी है, जिसका टर्नओवर बहुत कमाल का होता है और कई क्रिकेटर्स उससे जुड़े हैं, तो उसका रुपया कहां जाएगा और फिर मुंबई में कई फ्लैट्स हैं। एकम बावा ने रिति तिवारी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे लोगों को झूठ बोलना बंद करें। उन्होंने बिग बॉस में उनके व्यवहार पर भी टिप्पणी की और कहा, रिति तिवारी लोगों को पागल बनाना बंद कीजिए और बिग बॉस में जाकर लोगों को गालिया भी न दें। गायक ने रिति तिवारी की मां रानी के बारे में भी कुछ गंभीर बातें कहीं। उन्होंने कहा, रिति तिवारी की मां के बारे में बोलने के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उन्होंने मेरे साथ जो किया है, वैसा भगवान किसी के साथ न करें। एकम बावा ने अपनी सार्वजनिक छवि पर भी बात की और बताया, मैं सोशल मीडिया पर लाइव नहीं आता हूं और न ही इतनी वीडियो बनाता हूं, चाहें तो हमारे दर्शक मेरी प्रोफाइल देख सकते हैं। हालांकि, कभी-कभी बनाकर डाल देता हूं। मैं बस काम से मतलब रखता हूं। अब तो कई चीजों से मुझे मतलब नहीं है, लेकिन झूठ नहीं पसंद है और इतना झूठ कौन बोलते है। एकम बावा ने रिति तिवारी के द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने पर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की और कहा, आप शो में काजी को गाली दे रही हैं, तो ऐसे में गुस्सा आना जाहिर है। तो मैं रिति तिवारी से विनती करता हूं कि सही से चलिए कोई दिक्कत नहीं होगी। मैं आपके साथ 6 साल रहा हूं, तो मुझे तो आपके बारे में न जाने कितनी बातें पता हैं। आपको हाथ जोड़कर विनती है कि झूठ नहीं बोलो। असलियत में जिएं और लोगों को गुमराह करना बंद करें।

अपने म्यूजिक वीडियोज को लेकर चर्चा में अविका गौर

टीवी एक्ट्रेस अविका गौर इन दिनों अपने म्यूजिक वीडियोज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बालिका वधू जैसे सुपरहिट सीरियल से घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका हाल में दो अलग-अलग गानों बुखार और जालिमा में नजर आई हैं। इस बारे में अविका का कहना है कि म्यूजिक वीडियोज उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार, लुक और इमोशंस एक्सप्लोर करने की असीमित आजादी देते हैं, जो उन्हें एक कलाकार के रूप में संतुष्टि प्रदान करती है। बुखार एक पंजाबी गाना है, जिसे विक्की संधू ने अपनी आवाज दी है और उन्होंने ही इसके लिरिक्स भी लिखे हैं। इस गाने का म्यूजिक मिक्स सिंह ने दिया है। बुखार के म्यूजिक वीडियो में अविका का स्टाइलिश और मॉडर्न अवतार देखने को मिला, जिसने उनके फैंस को खूब पसंद आया। वहीं, दूसरा गाना जालिमा में अविका पंजाबी सिंगर, कंपोजर और लिरिसिस्ट कुलविंदर बिल्ला के साथ नजर आईं। पंजाब के खूबसूरत लोकेशन पर शूट किए गए इस गाने में दोनों की जोड़ी की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब लुभा रही है। जालिमा गाना 22 सितंबर को रिलीज हुआ था और तब से इसे लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है। अविका ने बात करते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, जब आप जिस चीज पर काम करते हैं, वह लोगों से जुड़ने लगती है तो बहुत अच्छा महसूस होता है। बुखार और जालिमा एक-दूसरे से काफी अलग हैं और यही चीज इस फेज को मेरे लिए और एक्साइटिंग बनाती है। दोनों गानों में मुझे अलग-अलग लुक, एनर्जी और इमोशंस एक्सप्लोर करने का मौका मिला। जिस तरह से लोगों का प्यार मिल रहा है, उससे मैं बहुत खुश हूं।

अविका ने आगे बताया कि म्यूजिक वीडियोज ने उन्हें हमेशा एक्सपेरिमेंट करने की आजादी दी है और वह इस आजादी को काफी एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने कहा, बुखार में एक अलग तरह की एनर्जी थी, जबकि जालिमा ने मुझे बिल्कुल अलग स्पेस में जाने का मौका दिया।

सही तरीके से कैसे की जाती है थोरैसिक ब्रिज एक्सरसाइज? जानिए कुछ अहम बातें

ध्यान में रखने वाली बातें

थोरैसिक ब्रिज करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की चोट न लगे। अगर आपकी पीठ में पहले से ही दर्द हो या कोई गंभीर समस्या हो तो इसे करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को भी इसको करने से बचना चाहिए या केवल डॉक्टर की सलाह पर ही इसे करना चाहिए। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप थोरैसिक ब्रिज का सही तरीके से अभ्यास कर सकते हैं।

थोरैसिक ब्रिज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपके शरीर की मुद्रा को सुधारने और रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं या जिनकी पीठ में दर्द रहता है। इस लेख में हम आपको इस एक्सरसाइज को सही तरीके से करने के तरीके और इससे जुड़ी कुछ अहम बातें बताएंगे। थोरैसिक ब्रिज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें आपको उलटे हो कर अपने पेट को ऊपर उठाकर पुल जैसा आकार बनाना होता है। इस दौरान आपके हाथ और पैर जमीन पर होते हैं, जबकि पेट और पीठ ऊपर की ओर होती है। इसे करने से आपकी पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और दर्द से राहत मिलती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में भी मदद करता है, जिससे आपकी मुद्रा बेहतर होती है। थोरैसिक ब्रिज करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं और पैरों को घुटनों से मोड़ लें। अब हाथों को

कंधे की सीध में फैलाएं और धीरे-धीरे अपनी पीठ को ऊपर उठाएं, जिससे आपका शरीर पुल जैसा आकार ले लेगा। इस स्थिति में कुछ सेकंड तक रहें और फिर धीरे-धीरे वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं। इस प्रक्रिया को कई बार दोहराएं। ध्यान रखें कि इस दौरान आपकी गर्दन सीधी होनी चाहिए। थोरैसिक ब्रिज का नियमित अभ्यास करना बहुत जरूरी है, ताकि आपको इसके पूरे फायदे मिल सकें। शुरूआत में इसे दिन में एक बार करें और धीरे-धीरे इसके अभ्यास का समय बढ़ाएं।

अगर आप इसे सही तरीके से करेंगे तो आपको जल्द ही इसका असर महसूस होने लगेगा। इससे आपकी पीठ की मांसपेशियां मजबूत होंगी और दर्द से राहत मिलेगी। इसके अलावा आपकी मुद्रा भी बेहतर होगी, जिससे आप अधिक आत्मविश्वास महसूस करेंगे।

अन्य एक्सरसाइज के साथ करें थोरैसिक ब्रिज

थोरैसिक ब्रिज अकेले ही नहीं, बल्कि अन्य एक्सरसाइज के साथ मिलाकर करना चाहिए, ताकि आपके पूरे शरीर की कसरत हो सके। आप इसे प्लैंक, स्क्वाट्स या पुश-अप्स जैसी अन्य कसरत के साथ जोड़ सकते हैं। इससे न केवल आपकी पीठ मजबूत होगी, बल्कि पूरे शरीर की ताकत भी बढ़ेगी। इसके अलावा इन सभी कसरत को मिलाकर करने से आपकी मांसपेशियों का संतुलन भी बेहतर होगा और आप अधिक फिट महसूस करेंगे।

Shivraj launches Rabi Abhiyan 2026, says Centre and states to jointly develop climate-friendly agriculture roadmap

New Delhi,Agency: Union Agriculture and Farmers Welfare Minister Shivraj Singh Chouhan said on Monday that now the goals of food security and farmer income will be achieved not through old methods but through data-based planning and Centre-State partnership. We face challenges like climate change, erratic rainfall and water scarcity.

Union Agriculture Minister Shivraj Singh called upon the states to complete preparations for the Rabi season with clear coordination, scientific planning and ground monitoring. He was speaking at the inauguration of the two-day 'National Agriculture Conference – Rabi Abhiyan 2026' organized at the C. Subramaniam Auditorium, Pusa, of the Union Agriculture and Farmers Welfare Department, Delhi.

Union Agriculture Minister Chauhan, describing the "water budget" as the most important parameter in Rabi preparations, said that every state and district must assess how much water is available for irrigation. He added that crops must be selected keeping in mind the limited water availability: where water is scarce, low-water crops (pulses and oilseeds) should be

prioritized, and where irrigation facilities are good, other crops should be planned.

He noted that current rainfall has been below average, but not so low that it severely impacts water availability. However, water shortages in some states are a cause for concern. He urged states to plan Rabi properly throughout the season and, in areas with scarce water resources, assess the availability of water and soil moisture in areas with scarce water resources, and make arrangements for irrigation water now. He warned that there should be no such parameter where excess water is used and later lack of water is likely to lead to crop failure. He said that preparations should not be delayed, as we are now at the cusp of Rabi sowing, and while water-based crops have already begun to grow in rain-fed areas, there are no other crops available here.

Union Minister Shivraj Singh Chouhan expressed concern over the severe drought situation in Maharashtra and Karnataka, stating that nearly two-thirds of Maharashtra's area is affected, and a state-level drought has been declared there, while Karnataka also faces drought. He assured that a central team will conduct a ground assessment of the drought in Karnataka on October 3rd, and a central team will also be sent to Maharashtra. He stated that he himself will visit these states with his team, and that the central government, under the leadership and guidance of Prime Minister Narendra Modi, stands firmly with farmers at this time.

Context of the Conference and Future Action Plan The first day of the conference will feature three rounds of thematic group discussions, covering issues such as self-reliance and diversification, sustainability and climate-resilient agriculture, and digital agriculture, infrastructure, financing, and risk management.

TSAF Climbing Academy Athletes Shine on Asian Games 2026 Stage

Jamshedpur : Two athletes from the Tata Steel Adventure Foundation (TSAF) Climbing Academy Team, Joga Purty and Deepu Mallesh, are representing India in sport climbing at the Asian Games 2026 in Aichi-Nagoya, Japan. The continental multi-sport event began on September 19 and will conclude on October 4.

The selection of the two climbers marks an important milestone in their careers and highlights TSAF's growing contribution to developing competitive climbing talent in India.

Nineteen-year-old Jamshedpur-based Joga

Purty began climbing in 2019 after visiting the JRD Tata Sports Complex with friends and brothers. She joined the TSAF Climbing Academy in 2021 and has since competed successfully at national and international levels.

Joga is a national record holder in speed climbing, with a personal best of 7.37 seconds. She has also won multiple medals at the National Climbing Championships in speed, lead and boulder disciplines. Her international appearances include the World Climbing Youth World Championships, World Climbing Youth Asian Championships and World Climbing Asia Championships.

Twenty-eight-year-old Deepu Mallesh, meanwhile, brings several years of competitive experience. Introduced to climbing as a teenager in Bengaluru, he progressed from recreational participation to becoming one of India's leading speed climbers.

Deepu holds the Indian national record with a timing of 5.39 seconds, is ranked No. 1 in India in speed climbing and was the national champion in 2025. He has also represented India at World Climbing World Cup events in Korea, Indonesia, France and Chamonix.

Cardiac Specialists Explain New Heart Treatment

Ranchi: On World Heart Day, Bhagwan Mahavir Manipal Hospital, Ranchi, highlighted advances in cardiac care, new technologies and the importance of specialist treatment for patients with complex heart conditions.The hospital's cardiac specialists said developments in interventional cardiology, structural heart care, rhythm management and cardiac surgery have expanded treatment options for conditions that were earlier difficult to manage. Age, diabetes, hypertension, kidney disease and other health conditions can further complicate cardiac individualised approaches.

Subhash Rai and Liladhar Mandloi were awarded the 'Agyeya Shabd Srishti Samman

Bengaluru,Agency: Bengaluru's literary organisation 'Shabd' has announced the prestigious awards for the year 2026. This year 'Agyeya Shabd Sarjan Samman' will be jointly given to biographer Subhash Rai and poet-writer Liladhar Mandloi. At the same time, language activist Narayan Saav has been selected for 'Dakshin Bharat Shabd Hindi Sevi Samman'. The organisation has also announced to start 'Rajasthan Gaurav Puraskar' from this year. Its first award will be given to Jaipur's famous folk singer Seema Mishra.

Dr. Shrinarayan Samir, President of Shabd, announced on Monday that the 'Agyeya Shabd Sarjan Samman' worth one lakh rupees will be given to Subhash Rai for his work 'Digambar Vidrohidini Akk Mahadevi' and to Liladhar Mandloi for his autobiography 'Jab Se Aankhon Khuli Hai'. Both writers will receive a cash prize of 51,000 rupees each, along with the traditional Mysore Peta, a memento, a coconut, and an angavastram.

Under the 'Dakshin Bharat Shabd Hindi Seva Samman', Narayan Saw will receive a prize money of 25,000 rupees, in addition to the honorary symbols. This amount will be provided courtesy of the 'Dakshin Bharat Rashtramat' newspaper group, published from Bangalore and Chennai. According to the jury, Narayan Saw has made significant contributions in making Hindi the dominant language in the functioning of the southern region of the power grid and many important establishments in non-Hindi speaking states.

Dr. Samir also announced that Shabd will now award the 'Rajasthan Gaurav Award' worth one lakh rupees

CM Vijay launched the 'Tayamaman Gold Ring Scheme' in Madurai, newborns will receive a one-gram gold ring

Madurai,Agency: Tamil Nadu Chief Minister Vijay Rupani launched the 'Thayamaman Gold Ring Scheme' at the Government Rajaji Hospital in Madurai on Monday. Under the scheme, children born in government hospitals and government primary health centers in the state will receive a one-gram gold ring from the government.

The program began with the Tamil Thai Vazhthu. During the ceremony, Chief Minister Vijay Rupani personally placed gold rings on newborns. Many mothers placed their babies in the Chief Minister's lap and took selfies with him. The Chief Minister also took the children in his lap, caressed them, and placed

rings on them.

The government has allocated a budget of ?755.83 crore for this scheme in the current financial year. In the first phase, 1.28 lakh gold rings have been purchased. The first phase of the scheme will begin on September 28th and continue until November 14th. During this period, eligible children born in government hospitals and primary health centers in the state, starting June 22nd, 2026, will be given a one-gram gold ring.

Under the scheme, rings will be distributed twice daily for the next 40 days: from 10:00 AM to 1:00 PM and from 2:00 PM to 4:00 PM. To control crowding, a maximum of 50 rings will be distributed per day at each center, with 25 in the morning and 25 in the afternoon.

According to the state government, children born after September 28th will be given the benefit of the "Tayamaman Gold Ring Scheme" during delivery or as per the prescribed procedure in the respective government hospital.

The objective of the scheme is to encourage deliveries in government hospitals, celebrate the birth of a newborn, and strengthen public confidence in government health services.

Following the ceremony, Chief Minister Vijay will inaugurate the renovated Gandhi Museum on Collector's Office Road in Madurai district.

Mallikarjun Kharge calls CWC meeting, demands Gyanesh Kumar's resignation

New Delhi,Agency: Amidst the ongoing controversy over the functioning of the Election Commission, Congress President Mallikarjun Kharge has called a meeting of the Congress Working Committee (CWC) on Tuesday. The meeting will discuss issues related to the Election Commission and consider the party's future strategy.

Speaking to reporters on Monday, Mallikarjun Kharge said that the Congress will seriously address this issue and that all CWC members will present their suggestions. This issue is not just about any one political party, but concerns the protection of the country's democracy and Constitution. He stated that the Congress is taking this issue seriously and a future strategy will be formulated at the CWC meeting.

The Congress President, while questioning the functioning of the Election Commission, alleged that even its own members have

raised questions about its functioning. He cited the claim of former Kerala Chief Secretary GG Thomson, who stated that in 2016, then-IAS officer Gyanesh Kumar suggested he contest the 2019 Lok Sabha elections on a BJP ticket. According to Thomson, he did not accept this suggestion.javascript:void(0);

Based on this claim, Kharge questioned the impartiality of Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. He stated that if an officer, while in service, suggested contesting elections on a political party ticket, it raises serious questions about the Election Commission's impartiality. However, Thomson's claim is based on his own statement and has not been confirmed by any public response from Gyanesh Kumar.

The Congress president also demanded the resignation of Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. He said that Gyanesh Kumar should step down from his post and demanded that action be taken against him even after his resignation.

This controversy has intensified amid opposition questions about the Election Commission's functioning regarding the Special Intensive Review (SIR). Congress says that serious discussion is necessary on questions related to the Election Commission's independence, impartiality, and institutional accountability. Meanwhile, the Election Commission has issued clarifications regarding its decisions and the SIR process.

The Income Tax Department raided several locations including film actress Rakul Preet Singh, film producer Vashu Bhagnani and Panorama Studios

Mumbai,Agency: The Income Tax Department has been conducting raids since Monday morning at 12 locations, including those of film actress Rakul Preet Singh, film producer Vashu Bhagnani, and Panorama Studios, in connection with financial irregularities. The Income Tax Department has not released official information about the raids.

According to Income Tax Department sources, this action is being taken as part of an investigation into alleged remittances abroad by individuals and companies associated with Bollywood and the film industry in the name of film projects, shooting, overseas distribution, and production. The Income Tax Department received some inputs regarding alleged irregularities in financial transactions and tax-related irregularities.

Prime Minister, Lok Sabha Speaker and Defence Minister pay tribute to Lata Mangeshkar on her birth anniversary

New Delhi,Agency: Several leaders including Prime Minister Narendra Modi, Lok Sabha Speaker Om Birla and Defence Minister Rajnath Singh paid tribute to singer Lata Mangeshkar on her birth anniversary on Monday.

Narendra Modi wrote on the social media platform, "Respectful salutations to Lata on her birth anniversary, who brought glory to the country in the world with her divine singing talent. She not only adorned India with her melodious voices but also always encouraged every initiative related to the prosperity of the country. Her incomparable contribution to the world of Indian music will be remembered for ages to come."

Om Birla said that Lata is the immortal identity of Indian music. In her extraordinary musical journey, she lent her voice to thousands of songs in many Indian languages ??and gave Indian film music a unique identity whose resonance reached far beyond the country's borders. For decades, she elevated Hindi cinema music to new heights and made countless songs timeless.

Rajnath Singh said that the voice of Lata Mangeshkar, considered India's "Nightingale of India," connected generations of this country to a world of emotions where the notes of love, devotion, and patriotism resonate together. Her voice resides not only in songs but in the hearts of every Indian. Her music is timeless, and her legacy will remain immortal.

Union Home and Cooperation Minister Amit Shah said that Lata's voice possessed a natural, steady, and soulful quality that captivated every listener. Lata Didi, who enriched the music of many languages ??and dialects with her voice, will always remain etched in the hearts of the countrymen through her songs.

Union Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju said that Lata, who gave Indian music a new identity worldwide with her melodious and unique voice, still resonates in the hearts of generations. Her unparalleled contribution to music and art is an invaluable asset to the country's rich cultural heritage.